भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

जयपुर, 11 अक्टूबर - 17 अक्टूबर, 2023

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net

/jagrukjanta

/jagrukjantanews

jagruk_janta

आश्विन, पक्ष - कृष्ण, तिथि - द्वादशी , संवत 2080 पृष्ठ : 8 बुधवार वर्ष-9, अंक-33, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

पाँच राज्यों में बजी चुनावी रणभेरी

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

राजस्थान, मध्यप्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मिजोरम में विधानसभा चुनावों की रणभेरी क्या बजी भारत एक लंबे चुनावी-मौसम में प्रवेश कर गया, क्योंकि ये पांचों सूबे पूरब, पश्चिम, दक्षिण व मध्य भारत में स्थित हैं और इनकी सारी रणनीतियां उत्तर भारत स्थित दिल्ली से तय हो रही हैं। 3 दिसंबर को इन राज्यों के चुनाव नतीजे आने के बाद वहां नई सरकारों के गठन और उनके सत्ता-ग्रहण की खुमारी के बीच ही आम चुनाव का बिगुलगु बज जाएगा, यानी आगामी जून तक देश राजनीतिक गहमागहमी के हवाले हो चुका है। निस्संदेह, एक लोकतांत्रिक देश और समाज के लिए चुनाव सबसेअहम मौका होता है, मगर भारत मेंचुनावी प्रक्रिया को लेकर जिस तरह की उलझनें पेश आने लगी हैं, उनको देखते हुए जरूरी हो गया है कि राजनीतिक पार्टियां और चुनाव आयोग मिलकर सर्वमान्य हल निकालें। आचार संहिता की शुचिता की रक्षा चुनावों की निष्पक्षता के लिए बेहद जरूरी है, तो वहीं विकास कार्यों की रफ्तार के साथ भी किसी किस्म का समझौता नहीं किया जा सकता। तब तो और, जब हम एक निर्धारित लक्ष्य के साथ दुनिया के देशों से प्रतिस्पर्द्धा में हों! वैसे, पिछले सात दशक के चुनावी सफर में भारतीय मतदाता अपने लोकतांत्रिक अधिकारों को बरतना बखूबी सीख चुका है और उसके अब तक के जनादेश उसकी परिपक्वता की मुनादी करतेहैं। बहरहाल, पांच राज्यों के ये विधानसभा चुनाव इसलिए भी अहम हैं कि इनको अगले आम चुनाव की पूर्व पीठिका के तौर पर देखा जा रहा है। इन प्रदेशों से लोकसभा में 83 और राज्यसभा में 34 सदस्य चुनकर आते हैं। ऐसे में, कोई भी राजनीतिक खेमा इन चुनावों को हल्के मेंनहीं ले सकता। खासकर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान में जहां कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने हैं, तो वहीं तेलंगाना और मिजोरम में बहुकोणीय मुकाबले होने वाले हैं। ऐसे कई उदाहरण हैं, जब मतदाताओं ने दो विपरीत वैचारिक ध्रुवों पर बैठे राजनीतिक दलों या गठबंधनों को राज्य व केंद्र की सत्ता की चाबी सौंपी। इसलिए, कांग्रेस, भाजपा और तेलंगाना में बीआरएस का बहुत कुछ दांव पर लगा है। कांग्रेस ने जातिगत गणना का दांव चलकर लोकसभा चुनाव का एक अहम मुद्दा सामने रख दिया है। भाजपा को इसके तोड़ के मुद्दे ढूंढ़ने होंगे। भारतीय राजनीति में आधी आबादी को उनका हक देनेके लिए हाल ही मेंसंसद ने ऐतिहासिक महिला आरक्षण कानून बनाया है। चूंकि वह अभी बाध्यकारी नहीं बन पाया है, इसलिए ये विधानसभा चुनाव देश की सियासी पार्टियों को एक बड़ा मौका देते हैं कि वे महिला उम्मीदवारों के प्रति संजीदगी का परिचय दें। इस मामले में उनकी ईमानदारी को उम्मीदवारी की कसौटी पर महिला मतदाता जरूर परखेंगी। यह सुखद है कि इस बार ज्यादातर राज्यों म ें एक ही चरण में मतदान हो रहा है।

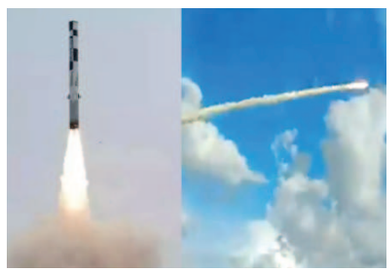

नेतन्याहू ने मोदी को फोन किया : पीएम मोदी बोले- हम हर तरह के आतंकवाद के खिलाफ

इजराइल में हमास से लड़ने के लिए यूनिटी गवर्नमेंट बनेगी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। हमास के खिलाफ जंग के चौथे दिन इजराइल के PM बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया। इस दौरान उन्होंने PM मोदी को जंग के बारे में पूरी जानकारी दी। इसके बाद पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा- भारत के लोग इस मुश्किल घड़ी में इजराइल के साथ हैं। हम हर तरह के आतंकवाद के खिलाफ हैं। इजराइल में 1973 के बाद पहली बार यूनिटी गवर्नमेंट बनेगी। इसके लिए सत्ताधारी लिकुड पार्टी के गठबंधन ने हामी भर दी है। यानी इजराइल में ऐसी सरकार बनेगी, जिसमें सभी पार्टियां शामिल होंगी। यूनिटी गवर्नमेंट या वॉर कैबिनेट जंग के वक्त बनती है। दूसरी तरफ हमास के हमलों में थाईलैंड के अब तक 18 नागरिकों की मौत हो चुकी है। कई लोग लापता हैं। रात भर इजराइल ने गाजा पर हमले किए। हमास ने इजराइल बॉर्डर के पास अश्कलों शहर को रात साढे 8 बजे तक खाली करने की चेतावनी दी है। वहीं, हमास के हमले में किबुत्ज शहर की 10% लोग मारे गए हैं। इससे पहले हमास ने धमकी दी थी कि वो इजराइल से पकड़े गए करीब 150 बंधकों की हत्या कर देगा।

गाजा बॉर्डर पर इजराइल का कब्जा

इजराइल की सेना ने घोषणा की- हमने गाजा बॉर्डर पर कब्जा कर उसे पूरी तरह से सील कर दिया है। सेना ने रातभर गाजा में 200 जगहों पर स्ट्राइक की। अब तक हमास के 1500 लड़ाके मारे जा चुके हैं। वहीं, इजराइल के 123 सैनिक की मौत हो चुकी है।

भारतीय सेना की मिसाइल रेंज में आया चीन और पाकिस्तान

'ब्रह्मोस' का सफल परीक्षण

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारत की सबसे खतरनाक मिसाइल ब्रह्मोस का मंगलवार को सफल परीक्षण किया गया है। अब यह मिसाइल 200 किलोग्राम का परमाणु बम ले जाने में सक्षम हो गई है। इस परीक्षण के साथ इसकी रेंज में चीन और पाकिस्तान का पूरा क्षेत्र आ चुका है। ब्रह्मोस की जमीन से जमीन पर मार करने वाले वर्जन की मारक क्षमता अब 450 किलोमीटर तक हो गई है। इस मिसाइल का परीक्षण अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के ही एक अज्ञात द्वीप से किया गया। इसने एक दूसरे द्वीप पर लगाए गए निशाने को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया।

Home Loans are brought to you by Tata Capital Housing Finance Limited. All other loan products are brought to you by Tata Capital Financial Services Limited and are at their sole discretion. Terms and conditions apply.

जागरूक खबरें

डा. रिपुंजय कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य बने, पदभार संभाला

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य सरकार ने एक आदेश जारी कर डा. रिपुंजय सिंह को राज्य कर्मचारी चयन आयोग का सदस्य नियुक्त किया है। उन्होंने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। डा. सिंह वर्तमान में हरीशचन्द्र माथुर राज्य लोक प्रशासनिक संस्थान में शहरी विकास और आपदा प्रबंधन में वरिष्ठ प्रोफेसर है। उनके पचास से अधिक राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं। उन्होंने भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की जीआई जेड परियोजना के तहत जर्मनी के पोट्सडेम विश्वविद्यालय में जलवायु प्रबंधन और आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया था। उन्होंने नेपाल, मलेशिया, थाईलैंड, अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, समेत कई देशों की यात्रा की है। उनके पिता स्व. सत्यनारायण सिंह आईएएस रह चुके हैं।

वर्ल्ड संगठन के निदेशक मनीष सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। वन विभाग राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय समारोह के अवसर पर अरण्य भवन ऑडिटोरियम में मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं निदेशक, राजस्थान वानिकी एवं वन्यजीव प्रशिक्षण संस्थान शैलजा देवल, उपवन संरक्षक वन्यजीव संग्राम सिंह कटियार एवं सहायक वनसंरक्षक रघुवीर मीणा ने वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवाओं के लिए एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया, भारत सरकार के प्रतिनिधि एवं वाइल्ड लाइफ क्राइम कन्ट्रोल ब्यूरो के मनीष सक्सेना को प्रशस्ति पत्र एंव स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

अजीब संयोग: शहनाई संग लोकतंत्र के पर्व की गूंज एक साथ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा चुनाव का शंखनाद हो चुका है। आगामी 23 नवंबर को प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे। इस बीच अधिकमास के कारण लगभग पांच महीने बाद देवउठनी एकादशी का अबूझ मुहूर्त भी इसी दिन रहेगा। लोकतंत्र के उत्सव के साथ शहनाइयों की गूंज भी सुनाई देगी। हालांकि चुनाव इस दिन होने से लोग और शादी के कारोबार से जुड़े व्यापारी असमंजस में हैं। बड़े स्तर पर शादी-ब्याह होने से लोग इसमें व्यस्त रहेंगे। इसका असर मतदान पर पड़ सकता है। हलवाई, बैंड, कैटरिंग सहित अन्य व्यापारियों के मुताबिक शादियां अधिक होंगी। ऐसे में व्यस्तता के कारण प्रदेश में मतदान कम हो सकता है। इधर, चुनाव को लेकर मतदान केन्द्र के रूप में सरकार की ओर से न केवल सरकारी इमारतें बल्कि सामुदायिक केन्द्रों समेत निजी भवनों को भी अधिग्रहित किया जाता है।

आधे लोग वोट नहीं कर पाएंगे!

सोशल साइट एक्स पर एक यूजर ने लिखा कि राजस्थान में शादी के लिए यह सबसे बड़ा अबूझ मुहूर्त है। आधे लोग वोट नहीं कर पाएंगे। चुनाव आयोग तारीख पर पुनर्विचार करें।

डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए एक से दो दिन पहले मेहमान पहुचंते हैं। मजदूर भी अपने-अपने जिलों में वोट देने जाएंगे। इससे काम प्रभावित होगा। तारीख में बदलाव हो।
–रवि जिंदल, राष्ट्रीय अध्यक्ष, आल इंडिया टैंट डेकोरेटर वेलफेयर एसोसिएशन

बेटी की 23 नवंबर को शादी है। चुनाव तारीखों की घोषणा के साथ ही मेहमानों के फोन आने लगे हैं। कई रिश्तेदारों की चुनाव ड्यूटी लगने की भी संभावना है। सभी व्यवस्था गड़बड़ा गई है। **- मुकेश,** न्यू सांगानेर रोड निवासी

3 हजार वाहनों का होगा अधिग्रहण

जयपुर। जिला प्रशासन ने 19 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव के लिए वाहनों के अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिले में चुनाव के लिए करीब तीन हजार वाहन अधिग्रहण किए जाएंगे। नवंबर में ही देवउठनी एकादशी से सावों की शुरुआत होगी, इस दिन राजस्थान में मतदान होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से दो दिन पहले ही वाहनों की बाड़ेबंदी कर दी जाएगी। बाईस नवंबर को मतदान के लिए दल रवाना कर दिए जाएंगे। मतदान केंद्रों पर पोलिंग पार्टियों को लाने-ले जाने के लिए 19 विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 2238 बसों की जरूरत पड़ेगी। इसी तरह ऑफिसर्स के उपयोग के लिए 440 गाड़ियां, पर्यवेक्षकों के लिए 50, आरओ, एआरओ, लाइजनिंग ऑफिसर्स और विभिन्न प्रकोष्ठ के लिए 60, वीडियो सर्विलांस टीम, स्टेटिक सर्विलांस टीम, फ्लाइंग स्क्वॉड के लिए 150 और सामग्री के लिए 200 ट्रक-ट्रैक्टर की जरूरत पड़ेगी। शेष वाहनों को अन्य कामों में लगाया जाएगा।

मतदान तिथि बदलने की मांग

जयपुर। विप्र फाउंडेशन ने देवउठनी ग्यारस (23 नवंबर) को राजस्थान में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान को अव्यावहारिक बताते हुए चुनाव आयोग से मतदान तिथि पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। अखिल भारतीय संत समिति राजस्थान प्रदेश प्रमुख स्वामी बालमुकुन्द आचार्य जी ने कहा कि चुनाव आयोग को प्रदेश में मतदान तिथि पर पुर्नविचार करना चाहिए। इस तिथि को प्रदेश में लाखों शादियां होंगी। वहीं इतने बड़े अबूझ सावे पर मतदान तिथि का ऐला अव्यवहारिक है। इसके अलावा विप्र फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा ने देश के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को पत्र लिख कर मांग की है विवाह स्थलों व वाहनों के अधिग्रहण से भी शादी विवाह वाले परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

बेटे की शादी का मुहूर्त 23 नवम्बर को पहले ही फिक्स हो गया था। उसी हिसाब से तैयारी भी कर रहे हैं। शादी के कार्ड भी छप गए हैं। चुनाव तारीखों के ऐलान ने सब गड़बड़ कर दिया। बारात के लिए बस बुक की थी। बस वाले का फोन आ गया। आप अतिरिक्त तैयारी रखना।
- राधेश्याम शर्मा, आगरा रोड

नवरात्र: मां दुर्गा का आगमन हाथी पर, कलश स्थापना के लिए इस बार 45 मिनट का रहेगा मुहूर्त

30 साल बाद चित्रा नक्षत्र, बुधादित्य और वैधृति योग में शारदीय नवरात्र होंगे शुरू

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। 30 साल बाद चित्रा नक्षत्र, बुधादित्य और वैधृति योग में शारदीय नवरात्रि का शुभारंभ 15 अक्टूबर से हो रहा है। यह संयोग 30 साल बाद बना है। हाथी ज्ञान, सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य का प्रतीक है। हाथी का संबंध भगवान गणेश और महालक्ष्मी से भी है। इस कारण पूरे साल मांगलिक कार्यों के साथ बारिश भी अच्छी होगी। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि शुरुआत बहुत शुभ है। अत्याधिक बारिश होने से किसानों की खुशहाली का संकेत मिलता है। नवरात्रि में कलश स्थापना का विशेष महत्व है। कलश स्थापना को घट स्थापना भी कहा जाता है। रात्रि एवं अमावस्या के दिन घट स्थापित करने की मनाही होती है। घट स्थापना का सबसे शुभ समय प्रतिपदा का एक तिहाई भाग बीत जाने के बाद होता है। अगर किसी कारण वश आप उस समय कलश स्थापित न कर पाएं तो अभिजीत मुहूर्त में भी स्थापित कर सकते हैं। प्रत्येक दिन का आठवां मुहूर्त अभिजीत मुहूर्त कहलाता है। सामान्यतः यह लगभग 48 मिनट का होता है। हालांकि इस बार घट स्थापना के लिए अभिजीत मुहूर्त तथा द्विस्वभाव लग्न धनु सर्वश्रेष्ठ है। इसी दिन चित्रा नक्षत्र का संयोग भी बन रहा है। निर्णय सागर पंचांग के अनुसार शारदीय नवरात्रि की प्रतिपदा तिथि को यानी पहले दिन कलश स्थापना का सर्वश्रेष्ठ शुभ मुहूर्त 15 अक्टूबर को 12 बजकर 1 मिनट से दोपहर 12 बजकर 46 मिनट तक है। ऐसे में कलश स्थापना के लिए शुभ मुहूर्त इस बार 45 मिनट ही रहेगा। नवरात्रि के नौ दिनों में दुर्गा शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कूष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां सिद्धिदात्री और मां महागौरी का पूजन किया जाएगा।

शारदीय नवरात्र तिथियां

15 अक्टूबर - मां शैलपुत्री (पहला दिन) प्रतिपदा तिथि
16 अक्टूबर - मां ब्रह्मचारिणी (दूसरा दिन) द्वितीया तिथि
17 अक्टूबर - मां चंद्रघंटा (तीसरा दिन) तृतीया तिथि
18 अक्टूबर - मां कुष्मांडा (चौथा दिन) चतुर्थी तिथि
19 अक्टूबर - मां स्कंदमाता (पांचवा दिन) पंचमी तिथि
20 अक्टूबर - मां कात्यायनी (छठा दिन) षष्ठी तिथि
21 अक्टूबर - मां कालरात्रि (सातवां दिन) सप्तमी तिथि
22 अक्टूबर - मां महागौरी (आठवां दिन) दुर्गा अष्टमी
23 अक्टूबर - महानवमी, (नौवां दिन) शरद नवरात्र
24 अक्टूबर - मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन, दशमी (दशहरा)

मीडिया से मुखातिब हुईं आरएए की नई एग्जीक्यूटिव कमेटी

कलाकारों की परेशानियों के मद्देनजर हरसंभव सहयोग करेगा आरएए

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। वर्ल्ड्स रिकॉर्ड अवॉर्डी राजस्थान एंकर्स एसोसिएशनकी नवगठित एग्जीक्यूटिव कमेटी यहां होटल ग्रैंड सफारी में मीडिया से रूबरू हुईं। इस मौके पर एग्जीक्यूटिव कमेटी की अध्यक्ष वर्षा मित्तल समेत उपाध्यक्ष-राकेश शर्मा, सचिव-दीपाली विजय, कोषाध्यक्ष-गौरव आसुदनी, सह सचिव-निधि मीना, विशाल अरोड़ा एवं हितेश गुप्ता, को फाउंडर्स मनु मीना व दीपक गौतम और साथी कोर कमेटी डेविड, सूफी, निधेश गोयल, कबीर, उज्ज्वल, अजीत, चेतन, विकी एवं अन्य सदस्य मौजूद रहे। अध्यक्ष मित्तल ने पत्रकारों को बताया कि राजस्थान एंकर्स एसोसिएशन पिछ्ले 8 साल से एंकर्स और रेडियो जॉकी जैसे कलाकारों के हित में कार्य कर रही है। वर्ष 2024 के कार्य योजनाएं भी बताई। कार्यकारिणी सदस्यों ने एसोसिएशन की जिम्मेदारियों से अवगत कराया। कार्यकारिणी ने अपने मेनिफेस्टो में कहा कि कलाकारों के लिए वर्कशॉप्स समेत हर साल होने वाले इवेंट्स और उनके साथ किसी भी परेशानी में एसोसिएशन उनका हर संभव सहयोग करेगा। साथ ही एसोसिएशन को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने कि योजना से भी अवगत कराया।

वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे पर टॉक शो आयोजित

सबसे बड़ा रोग, क्या कहेंगे लोग-बियानी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर स्थित बियानी गर्ल्स कॉलेजेज की एनएसएस इकाईयों और भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे पर एक टॉक शो का आयोजन किया गया। इस टॉक शो में विभिन्न इकाईयों के लगभग 300 से ज्यादा एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में अवसाद, सुसाइड के बढ़ती दरें, मानसिक तनाव और मानसिक स्वास्थ्य पर मुख्य रूप से चर्चा की गयी। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एयर फोर्स कैप्टन विनय भारद्वाज, फॉरर्मर इंडियन क्रिकेटर रोहित झालानी,मेजर जनरल एस.सी. पारीक, साइकोलॉजी एक्सपर्ट डॉ आरती होता, एनएसएस प्रेसिडेंट अवार्डेड ममता कुमावत, सीनियर मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ महिपाल सिंह और कॉलेज निदेशक डॉ संजय बियानी रहें। कार्यक्रम में कॉलेज निदेशक डॉ संजय बियानी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि सबसे बड़ा रोग "क्या कहेंगे लोग" यह ही होता है। सबसे पहले हमें नकारात्मक विचार को त्यागना होगा और हम जो भी काम करे मस्ती से करे और हमें अच्छा सुनने, बोलने और समझने की कोशिश भी करनी चाहिए। कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य मानसिक स्वास्थ्य को निरोग और स्वस्थ बनाने से जुड़ी जानकारी साझा करना रहा। अंत में कार्यक्रम संयोजक करूणा शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

वर्ष 2024 में 32 सार्वजनिक अवकाश रहेंगे

सरकारी कैलेंडर में 31 अक्टूबर तो पंचांग में एक नवंबर की दिवाली

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार ने वर्ष 2024 के कैलेंडर के अवकाशों की घोषणा कर दी है। इसके अनुसार आगामी वर्ष में 32 सार्वजनिक और 21 ऐच्छिक अवकाश रहेंगे। वहीं, दीपावली 31 अक्टूबर को है, जबकि प्रदेश के विभिन्न ज्योतिषियों व पंचांग निर्माताओं की ओर से जारी कैलेंडर में दिवाली का पर्व एक नवंबर को है। उधर, केंद्र सरकार की ओर से जारी आदेशों में भी वर्ष 2024 में 31 अक्टूबर को दिवाली पर्व की घोषणा की है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार वर्ष 2024 में होली-दिवाली सहित 32 सार्वजनिक अवकाश रहेंगे। दीपावली का अवकाश 31 अक्टूबर, गोवर्धन पूजा व अन्नकूट 2 नवंबर और भैया दूज का अवकाश 3 नवंबर को घोषित किया है। वहीं, शहर के प्रमुख ज्योतिषियों के अनुसार वर्ष 2024 में दो दिन प्रदोष व्यापिनी अमावस्या रहने के चलते सरकारी कैलेंडर और पंचांग में अलग-अलग दिन दिवाली पर्व की स्थिति बनी है।

सरकार मांगती है सूची

जानकारों की मानें तो सरकारी कैलेंडर में व्रत-त्योहार निर्धारित करने से पहले राज्य सरकार प्रदेश के प्रमुख पंचांगकर्ता और विभिन्न धर्मों के प्रमुखों से सलाह लेती है। साथ ही उनसे आगामी वर्ष के पर्व-त्योहारों की सूची भी मांगी जाती है। पंचांग निर्माताओं की मानें तो उन्होंने राज्य सरकार को दीपावली पर्व के लिए एक नवंबर, 2024 की तारीख ही भेजी थी।

शहरवासी आज सुनेंगे संघर्ष से सफलता की कहानी बेटियों की जुबानी

जयपुर @ जागरूक जनता। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर रूमादेवी फाउंडेशन व विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार 11 अक्टूबर को विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी जयपुर के ऑडिटोरियम में कुरीतियों से मुक्त होने तथा बालिका सशक्तिकरण पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

ANCHOR | विधानसभा चुनाव

सफल विधानसभा चुनाव एवं शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित के लिए प्रशिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

आज से शुरू होगा मतदान दलों का प्रशिक्षण, अनुपस्थित कार्मिकों के खिलाफ उसी दिन होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। विधानसभा चुनावों के सफल आयोजन के लिए जयपुर जिले में पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारी (प्रथम) प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 अक्टूबर से 14 अक्टूबर 2023 तक आयोजित होगा।

मतदान दलों को प्रशिक्षण देने हेतु मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रकाश राजपुरोहित की अध्यक्षता में प्रशिक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर एचसीएम रीपा स्थित मेहता सभागार में आयोजित हुआ। जिसमें विधानसभा स्तरीय प्रशिक्षकों और जिला स्तरीय प्रशिक्षकों को राज्य स्तरीय प्रशिक्षक श्री मनीष कुमार गोयल ने प्रशिक्षण दिया एवं चुनाव प्रक्रिया से संबंधित बारीकियों से रूबरू करवाया।

प्रशिक्षकों को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रकाश राजपुरोहित ने कहा कि मतदान दलों को चुनावी प्रशिक्षण को बेहद गंभीरता, समर्पण एवं निष्ठा के साथ दिया जाए। इस राष्ट्रीय महत्व की जिम्मेदारी में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।कार्यक्रम में पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारियों के कर्तव्यों ईवीएम का संचालन एवं मतदान के दौरान आने वाली विभिन्न प्रकार की चुनौतियों के निस्तारण का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही चुनाव आयोग द्वारा पहली बार विधानसभा चुनाव में अनुपस्थित मतदाताओं के घर पर डाक द्वारा मतपत्र पहुंचाकर मतदान की सुविधा मुहैया करवाने संबंधी प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया। मतदान दलों को विभिन्न पहलुओं पर कार्य संपादित करने के संबंध में संपूर्ण प्रशिक्षण दिया गया। अतिरिक्त जिला कलक्टर (तृतीय) अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में चुनाव आयोग द्वारा जारी नवीन प्रपत्रों एवं निर्देशों की संपूर्ण जानकारी भी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों के खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

गौरतलब है कि पूर्व में 11 एवं 12 अगस्त को प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

जागरूक खबरें

■ दिसम्बर तक बढ़ाई स्टॉक सीमा

जयपुर @ जागरूक जनता। केंद्र सरकार ने अरहर और उड़द के संबंध में आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत मौजूदा स्टॉक सीमा की अवधि 30 अक्टूबर से बढ़ाकर 31 दिसंबर कर दिया है और कुछ स्टॉक रखने वाली संस्थाओं के लिए स्टॉक सीमा को भी संशोधित किया है। जारी अधिसूचना के अनुसार, गोदाम में थोक विक्रेताओं और बड़ी संख्या में खुदरा विक्रेताओं के पास स्टॉक सीमा को 200 मीट्रिक टन से घटाकर 50 मीट्रिक टन कर दिया गया है और चक्की के लिए स्टॉक सीमा को पिछले 3 महीने के उत्पादन या वार्षिक क्षमता से 25 प्रतिशत की कटौती की गई है, जो भी पिछले 1 महीने का उत्पादन अथवा वार्षिक क्षमता का 10 प्रतिशत या जो भी अधिक हो।

■ कृषि मेला 19 से

जयपुर @ जागरूक जनता। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के तकनीकी सहयोग से तीन दिवसीय किसान मेला और प्रदर्शन कार्यक्रम 19 अक्टूबर से जेईसीसी-सीतापुरा मैदान में आयोजित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बजराज सिंह ने बताया कि मेले में तीन दिनों के दौरान 20 अलग-अलग विषयों पर किसान संगोष्ठी आयोजित की जायेगी। मेला संजोजग निरंजन देशपांडे ने बताया कि मेला खेती में नई सोच, नई तकनीक की थीम पर आयोजित किया जायेगा। इस मेले में 20 हजार किसानों की सहभागिता का लक्ष्य रखा गया है।

बीज बिक्री शुरू

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा के द्वारा किसानों को रबी फसलों के विभिन्न किस्मों के बीज उपलब्ध कराएं जायेंगे। संस्थान के द्वारा गेहूं किस्म राज-4238, जौ की आरड़ी-2899, चना की सीएसजे-515, सरसों की गिर्राज, बायो-902, तारामीरा की आरटीएम-1351, मैथी की आरएमटी-305, प्याज की आरओ-1 और प्याज की आरओ-1 किस्म के कंद भी किसानों को उपलब्ध कराये जाएंगे। किसान निर्धारित दर पर बीज बिक्री केन्द्र से बीज की खरीद कर सकेंगे।

सत्ता का सेमीफाइनल तय, पांच राज्यों में नवंबर में वोट

7 से 30 नवंबर के बीच होगा मतदान, नतीजे 3 दिसंबर को

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अगले साल लोकसभा चुनाव से पहले 'सेमीफाइनल' के रूप में देखे जा रहे पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। चुनाव आयोग ने सोमवार को कहा कि मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव एक चरण में होगा। छत्तीसगढ़ में दो चरणों में वोट डाले जाएंगे। वोटों की गिनती 3 दिसंबर रविवार को होगी।

चुनाव कार्यक्रम के ऐलान के साथ पांचों राज्यों में आचार संहिता भी लग गई। मध्य प्रदेश में BJP सत्ता में है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है। तेलंगाना में के. चंद्रशेखर राव (KCR) की BRS तो मिजोरम में मिजो नैशनल फ्रंट यानी MNF सत्ता में है। चार बड़े राज्यों में से दो (एमपी, राजस्थान) में सत्ता में काबिज कांग्रेस के लिए यह चुनाव अग्निपरीक्षा की तरह है। बीजेपी के लिए भी काफी कुछ दांव पर लगा है, क्योंकि इनके नतीजों का असर अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव पर पड़ना तय है। एमपी, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला होगा। तेलंगाना में भी ये दोनों दल सत्ता की दौड़ में है, जहां भारत राष्ट्र समिति (BRS) लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश में है। मिजोरम में क्षेत्रीय दल और कांग्रेस सत्तारूढ़ मिजो नैशनल फ्रंट को चुनौती देंगे, क्योंकि विपक्षी दलों को उम्मीद है कि मणिपुर में हिंसा के बाद जातीय आधार पर ध्रुवीकरण से संभावनाएं बढ़ सकती हैं।

चुनावी कार्यक्रम की घोषणा के साथ आचार संहिता लागू

1.77 लाख पोलिंग बूथ 5 राज्यों की 679 सीटों के लिए।

16.14 करोड़ वोटर पांचों राज्यों में मतदान के पात्र हैं।

60.2 लाख वोटर पहली बार इन चुनावों में वोट डालेंगे।

"प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी भारी बहुमत से सभी (पांचों) राज्यों में सरकार बनाएगी।
-जे.पी. नड्डा, बीजेपी अध्यक्ष

"विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही बीजेपी और उसके साथियों की विदाई का भी शंखनाद हो गया है।
-मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

सिर्फ छत्तीसगढ़ में दो चरणों में होंगे चुनाव

मध्य प्रदेश	17 नवंबर
राजस्थान	23 नवंबर
छत्तीसगढ़	7, 17 नवंबर
तेलंगाना	30 नवंबर
मिजोरम	7 नवंबर

BJP के 162 कैंडिडेट तय, कई सांसद

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ बीजेपी ने तीन राज्यों के लिए 162 उम्मीदवारों का ऐलान किया। राजस्थान के उम्मीदवारों की पहली लिस्ट में 41 नाम हैं। वहीं, छत्तीसगढ़ के लिए आई दूसरी लिस्ट में 64 उम्मीदवार तय हुए। मध्य प्रदेश के लिए उम्मीदवारों की चौथी लिस्ट में 57 को टिकट दिया। मध्य प्रदेश के बुधनी से सीएम शिवराज सिंह चौहान चुनाव लड़ेंगे। राजस्थान की लिस्ट में 7 सांसदों के भी नाम हैं। मंडावा से सांसद नरेंद्र कुमार, विद्याधर नगर से सांसद दिया कुमारी को टिकट दिया है। सांसद और पूर्व मंत्री राज्यवर्धन राठौर को झोटवाड़ा से टिकट दिया है। छत्तीसगढ़ के उम्मीदवारों की लिस्ट में तीन सांसद हैं। सांसद रेणुका सिंह को भरतपुर-सोनहत से उम्मीदवार बनाया है।

दीया कुमारी विद्याधर नगर चुनाव लड़ेंगी

कांग्रेस शासित राज्यों में जाति जनगणना: राहुल

कांग्रेस कार्यसमिति ने फैसला किया है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद अगर वह केंद्र की सत्ता में आती है तो राष्ट्रीय स्तर पर जाति जनगणना कराई जाएगी। कोटे की 50% सीमा बढ़ाई जाएगी। बैठक के बाद राहुल गांधी ने कहा, जिन राज्यों में हमारी सरकार है, वहां जातिगत गणना होगी।

राजस्थान में बीजेपी ने जारी की पहली लिस्ट

विद्याधर नगर से दीया कुमार, झोटवाड़ा से कर्नल राज्यवर्धन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। चुनाव के लिए वोटिंग 23 नवम्बर को होगी। 3 दिसंबर को चुनाव की मतगणना होगी। इस बीच बीजेपी ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए पहली लिस्ट जारी कर दी है। पहली लिस्ट में 41 उम्मीदवारों के नाम ऐलान किया है।

बीजेपी की इस लिस्ट में 7 सांसदों को मैदान में उतारा है। पार्टी ने जिन सांसदों को विधानसभा चुनाव के लिए टिकट दिया है। उनमें नरेंद्र कुमार,राज्यवर्धन सिंह, दिया कुमारी, बाबा बालकनाथ, किरोड़ी लाल मीणा, भागीरथ चौधरी और देवजी पटेल शामिल है। इस सूची में जयपुर के झोटवाड़ा से राज्यसभा सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को प्रत्याशी बनाया है, विद्याधर नगर से सांसद दिया कुमारी को टिकट दिया है। इसके अलावा सवाईमाधोपुर से किरोड़ी लाल मीणा को मैदान में उतारा है। बीजेपी के पहली लिस्ट में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का नाम नहीं है।

विधानसभा	उम्मीदवार
1-गंगानगर-	जयदीप बिहाणी
2-भादरा-	संजीव बेनीवाल
3-डूंगरगढ़-	ताराचंद सारस्वत
4-सुजानगढ़ (अजा)-	संतोष मेघवाल
5-झुंझुनूं-	बबलू चौधरी
6-मंडावा-	नरेन्द्र कुमार, सांसद
7-नवलगढ़-	विक्रम सिंह जाखल
8-उदयपुरवाटी-	शुभकरण चौधरी
9-फतेहपुर-	श्रवण चौधरी
10-लक्ष्मणगढ़-	सुभाष मेहरिया
11-दांतारामगढ़-	गजानंद कुमावत
12-कोटपूतली-	हंसराज पटेल गुर्जर
13-दूदू (अजा)-	डॉ. प्रेम चंद बैरवा
14-झोटवाड़ा-	राज्यवर्धन राठोड़, सांसद
15-विद्याधर नगर-	दीया कुमारी, सांसद
16-बस्सी (अजजा)-	चन्द्रमोहन मीणा
17-तिजारा-	बाबा बालकनाथ, सांसद
18-बानसूर-	देवी सिंह शेखावत
19-अलवर ग्रामीण (अजा)-	जयराम जाटव
20-नगर-	जवाहर सिंह बेडम
21-वैर (अजा)-	बहादुर सिंह कोली
22-हिण्डौन (अजा)-	राजकुमारी जाटव
23-सपोटरा (अजजा)-	हंसराज मीणा
24-बांदीकुई-	भागचंद डाकरा
25-लालसोट (अजजा)-	रामबिलास मीणा
26-बामनवास (अजजा)-	राजेंद्र मीणा
27-सवाई माधोपुर-	डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, सांसद
28-देवली-उनिअरा-	विजय बैंसला
29-किशनगढ़-	भागीरथ चौधरी, सांसद
30-केकड़ी-	शत्रुघन गौतम
31-बिलाडा (अजा)-	अर्जुनलाल गर्ग
32-बायतू-	बालाराम मूंद
33-सांचोर-	देवजी पटेल, सांसद
34-खेरवाड़ा (अजजा)-	नानालाल आहरी
35-डूंगरपुर (अजजा)-	बंसीलाल कटारा
36-सागवाडा (अजजा)-	शंकर डेचा
37-चोरासी (अजजा)-	सुशील कटारा
38-बागीदौरा (अजजा)-	कृष्णा कटारा
39-कुशलगढ़ (अजजा)-	भीमाभाई डामोर
40-माण्डल-	उदयलाल भडाणा
41-सहाडा-	लादूलाल पितलिया

छह ट्रेनों का संचालन रहेगा रद्द

जयपुर @ जागरूक जनता। पश्चिम मध्य रेलवे के बुदनी बरखेड़ा रेलखण्ड के मध्य बुदनी, मिडघाट चोका व बरखेड़ा स्टेशन के मध्य तकनीकी कार्य के कारण छह ट्रेनों का संचालन रद्द रहेगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार हिसार-तिरुपति ट्रेन 14 व 21 अक्टूबर, तिरुपति-हिसार ट्रेन 17 व 24 अक्टूबर को रद्द रहेगी। इसी प्रकार हैदराबाद - जयपुर ट्रेन 16,18, 23 व 25 अक्टूबर, जयपुर- हैदराबाद ट्रेन 18, 20, 25 व 27 अक्टूबर, भगत की कोठी- तिरूच्चिराप्पल्लि ट्रेन 18, 25 अक्टूबर को और तिरूच्चिराप्पल्लि-भगत की कोठी ट्रेन 21 व 28 अक्टूबर को प्राम्भिक स्टेशन से रद्द रहेगी। इधर, उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के जौनपुर-जफराबाद स्टेशन के बीच तकनीकी कार्य के कारण जोधपुर-वाराणसी ट्रेन 16, 19, 21, 23 व 26 अक्टूबर को बदले रूट वाया लखनऊ, प्रतापगढ़ जंक्शन, वाराणसी होकर संचालित होगी।

नगरीय निकाय एवं पंचायतीराज संस्थाओं के उप चुनाव सम्बन्धित निर्वाचन क्षेत्रों में 3 से 5 नवम्बर तक रहेगा सूखा दिवस

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार ने आदेश जारी कर 09 जिलों के नगरीय निकायों में 9 सदस्यों के लिए तथा पंचायतीराज संस्थाओं के उपचुनाव के लिए आगामी 5 नवम्बर को होने वाले मतदान के मद्देनजर 3 नवम्बर, 2023 को सायं 5 बजे से 5 नवम्बर, 2023 को सायं 5 बजे तक सूखा दिवस घोषित किया है। वित्त (आबकारी) विभाग द्वारा जारी निर्देशानुसार सम्बन्धित नगरीय निकाय एवं पंचायतीराज संस्थाओं के निर्वाचन क्षेत्रों एवं उससे लगते हुए 5 किलोमीटर परिधीय क्षेत्रों में 48 घंटे की अवधि के लिए सूखा दिवस रहेगा। उल्लेखनीय है कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य के नगरीय निकायों में विभिन्न कारणों से रिक्त हुए 09 सदस्यों के पद पर तथा पंचायतीराज संस्थाओं में विभिन्न कारणों से रिक्त हुए पदों पर उप चुनाव के लिए मतदान की तिथि 5 नवम्बर निर्धारित की गई है। साथ ही जहां पंच और सरपंच के चुनाव होने है उन स्थानों पर 5 नवम्बर को मतगणना की समाप्ति तक सूखा दिवस प्रभावी रहेगा ।

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर मुख्य सचिव की हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव के साथ वीसी

आपसी समन्वय एवं सतर्कता से पुख्ता कानून-व्यवस्था करेंगे सुनिश्चित

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने हरियाणा सरकार में मुख्य सचिव संजीव कौशल तथा वहां के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर समीक्षा की। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि आपसी समन्वय एवं साझा प्रयासों से पूरी तरह चौकस रहकर चुनाव के दौरान पुख्ता कानून-व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। मुख्य सचिव ने हरियाणा की सीमा से लगते प्रदेश के जिलों में अवैध शराब की तस्करी रोकने, राष्ट्रीय राजमार्गों से गुजरने वाले वाहनों की आकस्मिक चैकिंग, बॉर्डर चैक पोस्ट, सीमावर्ती जिलों में आपराधिक तत्वों पर चौकसी रखने आदि पर हरियाणा सरकार के अधिकारियों से सहयोग एवं सूचनाएं साझा करने का आग्रह किया। मुख्य सचिव हरियाणा ने चुनाव के दौरान कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए आश्वस्त किया। बैठक में दोनों मुख्य सचिव ने आपसी समन्वय से अन्तरराज्यीय सीमा पर नाकाबंदी, अन्तरराज्यीय गैंगस्टरों पर निगरानी, अवैध शराब की तस्करी रोकने सहित सुरक्षा के सभी आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान और हरियाणा मिलकर आगामी विधानसभा चुनावों में कानून और व्यवस्था को बनाए रखकर भारतीय निर्वाचन आयोग की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे।

पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने कहा कि चुनाव के दौरान अंतरराज्यीय सीमा पर नोडल अधिकारी नियुक्त किये जाएं जो पारस्परिक समन्वय के साथ अंतरराज्यीय गिरोहों की गतिविधियों पर नजर रखें।

पुलिस महानिदेशक हरियाणा शत्रुजीत कपूर, राजस्थान के डीजी कानून-व्यवस्था राजीव शर्मा, मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण गुप्ता, प्रमुख सचिव गृह आनंद कुमार, शासन सचिव गृह भानुप्रकाश येटरू सहित अन्य अधिकारी भी इस दौरान वीडियो कांफ्रेंस के जरिए जुड़े।

शिक्षाविद् बियानी सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जता। श्री रामदास राठी मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से स्व. रामदास राठी की 13वीं पुण्यतिथि पर राजस्थान चैंबर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सभागार में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान स्मॉल स्केल इंडस्ट्री के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा, विशिष्ट अतिथि राजस्थान चैंबर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष डॉ. के.एल जैन रहे। कार्यक्रम में राजस्थान विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर अल्पना कॉटेज एंव बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी को शिक्षाविद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षा खेल व समाज सेवा के लिए अन्य को भी सम्मानित किया गया। मौके पर माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष केदार भाला,महामंत्री मनोज मूंदड़ा और समाज के संयुक्त मंत्री ब्रजमोहन बाहेती व अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

शरद रंग महोत्सव 13 अक्टूबर से

जेकेके में होगा नृत्य, संगीत एवं फोटोग्राफी का तीन दिवसीय कार्यक्रम

जयपुर @ जागरूक जनता। डेल्फिक काउंसिल ऑफ़ राजस्थान 13 से 15 अक्टूबर तक तीन दिवसीय शरद रंग महोत्सव का आयोजन जवाहर कला केन्द्र में आयोजित करेगा। यह कार्यक्रम उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, पटियाला की सहभागिता और जवाहर कला केंद्र के सहयोग से होगा। इसमें नृत्य, संगीत और फोटोग्राफ़ी के कार्यक्रम होंगे ।

शिरीष करलि द्वारा फोटोग्राफ़ी पर कार्यशाला

डेल्फिक काउंसिल ऑफ़ राजस्थान की अध्यक्ष एवं प्रमुख शासन सचिव, सहकारिता श्रेया गुहा, ने बताया कि 13 से 15 अक्टूबर मुंबई के सेलिब्रिटी फोटोग्राफर शिरीष करलि फोटोग्राफी की कार्यशाला लेंगे, जिसमें फोटोग्राफी के विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी एवं प्रैक्टिकल सेशन भी होंगे । कार्यशाला में प्रवेश पंजीकरण के आधार पर होगा जिसका लिंक डेल्फिक राजस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है । कार्यशाला का उद्घाटन अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा, श्रीमती शुभ्रा सिंह द्वारा 13 अक्टूबर को प्रातः 10:30 बजे किया जाएगा । प्रसिद्ध फोटोग्राफर और भारतीय वन सेवा के अधिकारी श्री अरिजीत बनर्जी, श्री जितेंद्र सोनी आईएएस भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे । कार्यशाला जवाहर कला केंद्र के कृष्णायन सभागार में होगी ।

कोरियोग्राफर संतोष नायर की नृत्य नाटिका मिस्टिकल फॉरेस्ट का होगा मंचन

उन्होंने बताया कि जवाहर कला केंद्र के रंगायन में 14 अक्टूबर को सांय 7 बजे दिल्ली के प्रसिद्ध नृत्य गुरु और कोरियोग्राफर संतोष नायर की नृत्य नाटिका मिस्टिकल फॉरेस्ट का मंचन होगा। ये नृत्य नाटिका वन क्षेत्रों में रहने वाले जनजातीय समुदाय को आधुनिकीकरण के कारण होने वाली परेशानी से दर्शकों को कलात्मक ढंग से रूबरू करवाते हुए ये संदेश देती है कि जीवन में जितनी सादगी और सरलता होगी जीवन उतना ही आनंदमयी होगा ।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just
Rs.35,000/- + GST

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management

MSGJET
SchoolMaster SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan

WE ARE Google Partner AdWords Analytics Marketing Partner Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

ANCHOR हॉर्स सेरोगेसी में राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द को सफलता

राज-हिमानी ने बढ़ाया प्रदेश का गौरव

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बीकानेर। मारवाड़ी अश्व नस्लों के लिए देश-दुनिया में पहचान रखने वाले राजस्थान का रूतबा अब और बढ़ गया है। राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र बीकानेर के वैज्ञानिकों ने भ्रूण प्रत्यार्पण तकनीक और फ्रोजन सीमन (हिमीकृत वीर्य) का प्रयोग करते हुए देश में पहली बार घोड़ी का बच्चा पैदा करने में सफलता अर्जित की है। हिमीकृत वीर्य से पैदा होने के कारण वैज्ञानिकों ने इसका नाम राज-हिमानी रखा है। इससे मारवाड़ी सहित दूसरे अश्ववंश की वृद्धि का रास्ता भी वैज्ञानिकों को मिल चुका है। गौरतलब है कि अश्ववंश में लगातार गिरावट दर्ज हो रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस तकनीक से आम अश्व पालक को लाभ होगा। वहीं, उच्च गुणवत्ता के अश्वों को पैदा करने में मदद मिलेगी। केन्द्र ने यह प्रयोग राष्ट्रीय पशुधन मिशन के अंतर्गत स्वीकृत परियोजना में किया गया। जिसके प्रधान अन्वेषक डॉ. टी आर.तालुरी रहे। इसमें केंद्र के डॉ. यशपाल, डॉ. आर.ए. लेघा, डॉ. रमेश देदर, डॉ एस. सी. मेहता, डॉ. जितन्द्र सिंह और डॉ सज्जन कुमार का सहयोग रहा। इस टीम ने अब तक 18 मारवाड़ी घोड़ियों का भ्रूण विट्रीफाई करने में सफलता प्राप्त कर ली है। इनसे सफल गर्भधान और बच्चा पैदा करने पर अनुसंधान जारी है। केंद्र निदेशक डॉ. टीके. भट्टाचार्य के मुताबिक देश में अश्वों की संख्या में तेजी से गिरावट दर्ज हो रही है। साथ ही, बांझपन बड़ी समस्या का रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि यह तकनीक उन जानवरों पर भी लागू की जा सकती है जो पारंपरिक बांझपन के शिकार है।

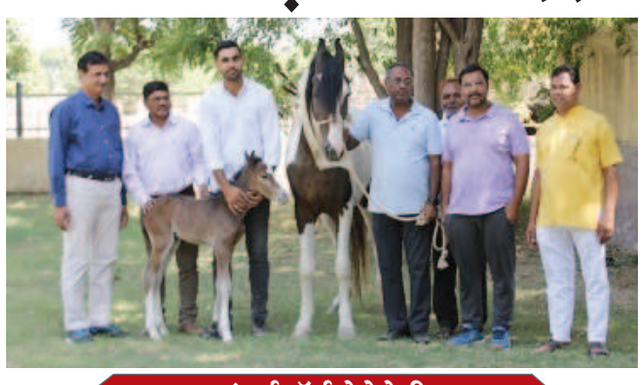

यूं हुई हॉर्स सेरोगेसी

केंद्र के वैज्ञानिकों ने भ्रूण उत्पादन के लिए एक नर अश्व के हिमीकृत वीर्य को कृत्रिम गर्भाधान के लिए उपयोग में लिया। पहले भ्रूण को औवुलेसन और फिर साढ़े सात दिन घोड़ी के गर्भ में रखने के उपरान्त लिया। उसे सेरोगेट घोड़ी के सिंक्रोनाइज्ड ईस्ट्रस की स्थिति में स्थानान्तरित किया। इस घोड़ी ने एक स्वस्थ मादा बच्चे को जन्म दिया। बच्चे का जन्म के समय वजन 35 किलोग्राम था।

सम्पादकीय

कास्ट सर्वे की कसौटी...

कांग्रेस वर्किंग कमिटी की बैठक में चर्चा हुई कि विधानसभा चुनावों में कास्ट सर्वे का मसला कितना महत्वपूर्ण है। विपक्ष को इससे राजनीतिक फायदा उठाना है और बीजेपी को OBC वोटरों पर पकड़ बनाए रखना है। विपक्ष को इससे बीजेपी को हराने की उम्मीद है, लेकिन बीजेपी इस बात में सहमत नहीं है। कांग्रेस वर्किंग कमिटी की सोमवार को हुई बैठक पहले से तय थी, फिर भी पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की तारीखें घोषित होने से इसकी अहमियत थोड़ी और बढ़ गई। वैसे बैठक का अजेंडा भी पहले से तय था। यह निश्चित था कि इसमें कास्ट सर्वे का मसला छाया रहेगा। असल में, बिहार कास्ट सर्वे के नतीजे सार्वजनिक होने के बाद से यह मुद्दा सबकी प्राथमिकता में आ गया है। विपक्ष जहां कास्ट सर्वे से अधिक राजनीतिक फायदा लेना चाहता है, वहीं BJP इस मुद्दे की वजह से OBC वोटरों पर अपनी पकड़ कमजोर नहीं होने देना चाहती। कांग्रेस कास्ट सर्वे के पक्ष में खुलकर बोल रही है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब से इसे हिंदू समाज को बांटने की कोशिश बताया है, कांग्रेस के भी एक हिस्से में इस पर सतर्कता से आगे बढ़ने की जरूरत बताई जाने लगी। जाहिर है, कोई भी पार्टी इस तरह के बड़े मुद्दे पर बंटे हुए मन से चुनाव में नहीं उतरना चाहेगी। इसलिए कांग्रेस की वर्किंग कमिटी की बैठक में इस मसले पर सोमवार को विचार हुआ। कांग्रेस ही क्यों, विपक्षी गठबंधन I.N.D.I.A भी इसके पक्ष में है। इन दलों को लग रहा है कि इसके जरिए वे 2024 लोकसभा चुनाव में बीजेपी को पराजित कर देंगे। लेकिन हैरानी की बात यह भी है कि कांग्रेस सरकार ने ही कर्नाटक में 2015 में ऐसा एक सर्वे कराया था, जिसकी रिपोर्ट उसे 2018 में मिल गई थी।

इस रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया है और अभी भी कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में इसे सामने लाने पर दो राय है। एक वर्ग मानता है कि रिपोर्ट सामने लाई जाए, तो दूसरा लोकसभा चुनाव तक यथास्थिति बनाए रखने की बात कह रहा है। उसे डर है कि रिपोर्ट सार्वजनिक करने पर कहीं लोकसभा चुनाव में नुकसान न हो जाए। असल में, बिहार में पिछड़े और अति पिछड़े तबकों की संख्या राज्य की कुल आबादी का 63 फीसदी दर्ज हुई, उसे देखते हुए अन्य राज्यों में भी कास्ट सर्वे कराने का सीधा मतलब है आरक्षण पर 50 फीसदी की अधिकतम सीमा वाली रोक हटाने के पक्ष में माहौल बनाना। जैसे-जैसे यह मुद्दा गरमाएगा, BJP को हासिल OBC तबकों का समर्थन उससे छिटकने लगेगा।

मगर क्या यह गणित इतना आसान है? जाहिर है, BJP ऐसा नहीं मानती। उसकी दलील है कि केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई LPG कनेक्शन, आवास और मुफ्त राशन जैसी कल्याणकारी योजनाओं ने OBC वोटरों के बड़े हिस्से में पार्टी की पैठ काफी मजबूत कर दी है। ध्यान रहे, जहां 2014 के लोकसभा चुनावों में पार्टी को 34 फीसदी OBC वोटरों का समर्थन हासिल था, वहीं 2019 में यह बढ़कर 44 फीसदी पर पहुंच गया। बहरहाल, इस मामले में विपक्ष और भाजपा का पहला इम्तहान नवंबर में पांच राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनाव होंगे।

देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग जलवायु के साथ विभिन्न प्रकार के मसालों का उत्पादन किया जाता है। हमारे देश की माटी में रचे-बसे ये मसाले आज दुनियाभर में अपने स्वाद का डंका बजा रहे हैं।

मसालों के बिना बेस्वाद है जिंदगी

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जैसे उत्सव के बिना जीवन अधूरा है, वैसे ही मसालों के बिना भोजन भी अधूरा है। और बात जब मसालों की हो, तो शायद यह बताने की जरूरत नहीं है कि भारतीय मसाले अपनी बेमिसाल बनावट, अपने स्वाद और औषधीय मूल्यों के कारण दुनियाभर में सबसे अधिक पसंद किए जाते हैं। यह इस बात से भी साबित होता है कि मसालों के निर्यात के मामले में हमारे देश ने निर्यात के पिछले सभी कीर्तिमानों को पीछे छोड़ दिया है और वैश्विक बाजार की कड़ी प्रतिस्पर्धा में अपने गुणवत्तापूर्ण मसालों के लिए बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मांग को पूरा किया है। हाल ही खबर पढ़ी कि वित्त वर्ष 2023 में हमारे देश से करीब 32 हजार करोड़ रुपए के मसाले दुनिया के तमाम देशों में भेजे गए, जबकि 2022 में यह राशि 30 हजार करोड़ रुपए ही थी। मसालों में भी लाल मिर्च और जीरा सबसे आगे खड़े नजर आते हैं।

प्राचीन काल से अपने मसालों की दुनियाभर में धाक जमाने वाले भारत का मसाला निर्यात भी बड़ी तेजी से बढ़ा है। वर्ष 2023 में हमारे देश से करीब 32 हजार करोड़ रुपए के मसाले दुनिया के तमाम देशों में भेजे गए, जबकि 2022 में यह राशि 30 हजार करोड़ रुपए ही थी।

निर्यात में यह उछाल तब है जब देश में कई तरह की चुनौतियां देखने को मिली हैं। हाल के दिनों में लाल मिर्च और जीरे के दाम में बंपर मजबूती देखी गई। दूसरी ओर, दुनिया के कई देशों में आर्थिक मंदी के चलते भारत के मसाले की मांग कम हो गई थी। इन सभी चुनौतियों को दरकिनार करते हुए भारतीय मसालों ने मौका मिलते ही अपना दम दिखाया और निर्यात में बड़ी उछाल दर्ज की। नतीजा ये रहा कि मौजूदा वित्त वर्ष में मसालों के व्यापार में बड़ी तेजी देखी गई है। यह तेजी आगे भी कायम रहने की उम्मीद है। अलग-अलग मसालों के निर्यात की बात करें, तो इनमें सबसे ऊपर मिर्च है जिसने 33 फीसदी का योगदान दिया है। इसके बाद 13 परसेंट के साथ जीरा दूसरे स्थान पर है। हल्दी, करी पाउडर, छोटी इलायची और काली मिर्च का भी निर्यात अच्छा-खासा हुआ है।

जिन देशों ने भारत से सबसे अधिक मसाले खरीदे हैं, उनमें चीन सबसे ऊपर है। इसके बाद अमेरिका और बांग्लादेश का नाम आता है। इनके अलावा, यूएई, थाइलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया, यूके, श्रीलंका, जर्मनी, नीदरलैंड्स, नेपाल और सऊदी अरब को भी मसालों का निर्यात किया गया। इन देशों को मिर्च और जीरे के साथ अदरक, इलायची (छोटी और बड़ी), धनिया, हल्दी, अजवाइन, सौंफ, मेथी, जायफल और जावित्री, हींग, इमली इत्यादि भी भेजे गए।

पिछले दिनों कहीं पढ़ा था कि मसाले भारत को एकजुट करते हैं। और अब न सिर्फ देश को, बल्कि वे पूरी दुनिया को एकजुट करने के काम में जुटे हैं। भारत के मसाले पूरे विश्व में पसंद किये जाते हैं और ये हमारी जानी-मानी व्यापारिक सामर्थ्य के साथ-साथ समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी दर्शाते हैं। जैसा कि हमने कहा- उत्सव के बिना जीवन अधूरा है, ठीक वैसे ही मसालों के बिना भी भोजन अधूरा होता है और हमें इसे दुनिया भर में एक आवश्यक घटक बनाना होगा। अब समय आ गया है कि भारतीय मसालों की गाथा पूरी दुनिया में कही और लिखी जानी चाहिए। आइए देखें कि कैसे हमारी दादी-नानी के नुस्खे दुनिया के लिए इलाज बन सकते हैं। हम मसालों के जादू से दुनिया को मंत्रमुग्ध कर सकते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए इस जादू को संरक्षित रख सकते हैं।

हम सब जानते हैं कि मसालों का उपयोग विभिन्न रूपों में किया जाता है- साबुत, कटा हुआ, पिसा हुआ, भुना हुआ, भूना, तला हुआ और टॉपिंग के रूप में। वे पोषक तत्वों को निकालने के लिए भोजन को मिश्रित करते हैं और उन्हें एक स्वादिष्ट रूप में बांधते हैं। कुछ मसाले अंत में स्वाद के रूप में जोड़े जाते हैं - जिन्हें आम तौर पर एक डिश में डालने से पहले घी या खाना पकाने के तेल के साथ एक पैन में गरम किया जाता है। सबसे बाद में हल्के मसाले डाले जाते हैं और तेज स्वाद वाले मसाले पहले डाले जाने चाहिए। 'करी' भारतीय व्यंजनों में किसी भी व्यंजन को संदर्भित करता है जिसमें कई मसाले एक साथ मिश्रित होते हैं, चाहे सूखे हों या ग्रेवी बेस के साथ। हालाँकि, यह करी पत्ते को भी संदर्भित करता है, जो आमतौर पर दक्षिण भारत में उपयोग किया जाता है।

मसालों की इस अहमियत को देखते हुए लगता है कि अब मसाला उद्योग का विस्तार करने की और आवश्यकता है। सरकार ने 2030 तक निर्यात के लिए मौजूदा 4 अरब डॉलर से 10 अरब डॉलर का लक्ष्य तय किया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए बाजार और सरकार को साथ मिलकर काम करना होगा। इस लक्ष्य हासिल करने के उद्देश्य से सभी को मौजूदा बाजारों के विस्तार के साथ-साथ विस्तारित मूल्य संवर्धन के माध्यम से नए बाजारों पर अपनी पकड़ बनाने के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर सहयोग करने की आवश्यकता होगी।

इस दिशा में एक अहम कदम तो यह हो सकता है कि दुनिया भर में मसालों की बढ़ती खपत को प्रोत्साहित करने के लिए दुनिया भर में रहने वाले भारतीय मूल के 35 मिलियन लोगों को ब्रांड एंबेसडर बनाया जाए। साथ ही, भारतीय मसालों के लिए प्रमाणित ब्रांड वैल्यू बनाने की दिशा में भी कदम उठाए जा सकते हैं। इसके साथ ही मसाला उद्योग के साझेदारों के साथ मिलजुल कर प्रयास करने और पर्याप्त उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से किसानों के साथ भी सहयोग सुनिश्चित करने की कोशिश की जा सकती है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

खतरों का इशारा करते बूढ़े बांध

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

हाल ही में राजस्थान की राजधानी जयपुर में बांधों की सुरक्षा को लेकर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय की ओर से बेहद भव्य तरीके से आयोजित इस कार्यक्रम में दुनियाभर के विशेषज्ञों ने बांधों को लेकर अपनी चिंता जाहिर करते हुए कई सुझाव भी किए। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में 6,000 से अधिक बड़े-छोटे बांध हैं। वहीं संयुक्त राष्ट्र यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में 4,407 बड़े बांध हैं, जो 2050 तक 50 साल की उम्र पार कर लेंगे। इनमें से 64 तो 100 साल पुराने बांध हैं और एक हजार से अधिक बांध 50 साल या उससे पुराने हो चुके हैं। यूं तो भारत के केंद्रीय जल आयोग के 2019 के आंकड़ों में बड़े बांधों की संख्या 5,334 बताई गई है, लेकिन इस अध्ययन में बड़े बांध की गिनती परिभाषा के अंतरराष्ट्रीय मानकों के लिहाज से की गई है।

अमित बैजनाथ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

भारत के लिए साल 2025 बांधों के लिहाज से अहम और ध्यान देने योग्य माना गया है, क्योंकि तब एक हजार से अधिक बांध 50 साल या उससे पुराने हो चुके होंगे। निर्माण और देख-रेख पर भी बहुत कुछ निर्भर करता है, लिहाजा ठोस ढंग से निर्मित बांध 100 साल की उम्र तक काम कर लेते हैं। हालांकि विशेषज्ञ आमतौर पर 50 साल को बांध की क्षमता में गिरावट का एक मोटा सा पैमाना मानकर चलते हैं। दुनिया के 55 प्रतिशत बांध सिर्फ चार एशियाई देशों भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया में हैं। बड़े बांधों के लिहाज से भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर माना गया है। बेशक बांध जलापूर्ति, ऊर्जा उत्पादन, बाढ़ नियंत्रण और सिंचाई के अलावा प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार और अर्थव्यवस्था की वृद्धि में बड़ी उल्लेखनीय भूमिका निभाते हैं, लेकिन यह भी कड़वा सच है कि जलाशय वाले अधिकतर बांध पुराने पड़ रहे हैं। बांध सुरक्षा पर एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 4,407 बड़े बांध हैं, जो चीन और अमेरिका के बाद दुनिया में तीसरे नंबर पर हैं। रिपोर्ट कहती है कि भारत में 2025 तक 1,115 से अधिक बड़े बांध लगभग 50 वर्ष, 2050 में 4,250 छोटे और 64 बड़े बांध 150 वर्ष से अधिक पुराने हो जाएंगे। इससे भारत के लिए अपने पुराने बांधों की लागत-लाभ विश्लेषण और समय पर सुरक्षा समीक्षा करना बहुत आवश्यक हो जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, 50 वर्षों में एक बड़ा कंक्रीट बांध संभवतः उम्र बढ़ने के संकेत व्यक्त करना शुरू कर देता है, इसलिए आपदा प्रबंधन और न्यूनीकरण की व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाए जाने की जरूरत है। यह भी देखना चाहिए कि बांध के उम्रदराज होने के साथ और भी कौन से संभावित खतरे हो सकते हैं। बांध वाले इलाकों में अनियमित विकास से बचना चाहिए। जोखिम का खतरा कम से कम रखना ही श्रेयस्कर होगा। नेशनल रजिस्टर फॉर लार्ज डैम के मुताबिक, भारत में करीब 1200 बांध 50 साल या फिर इससे ज्यादा उम्र के हैं। इनमें अगर उन बांधों को भी जोड़ दें, जिनकी उम्र का पता नहीं तो यह आंकड़ा 1300 को पार कर जाता है। बूढ़े और कमजोर बांधों के टूटने का खतरा हमेशा बना रहता है और बाढ़ जैसे हालात में इनका टूटना आपदा को कई गुना बढ़ा देता है, लेकिन फिर भी बांधों की उम्र, उनकी लगातार मरम्मत और समीक्षा की भारत में ज्यादा चर्चा नहीं होती।

पराली और मिट्टी की विविधता

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भारत कृषि आधारित अर्थव्यवस्था है, जो हर साल 51 करोड़ टन कृषि अवशेष (पराली) उत्पन्न करता है। अगली फसल बुवाई की जल्दी में किसान पराली जला देते हैं, जिससे न केवल वायु प्रदूषण होता है, बल्कि मिट्टी की उर्वरता भी कम हो जाती है। फिर भी वे इसे सबसे सस्ता विकल्प मानते हैं। हर बार की तरह इस बार भी हवा के रुख के कारण अक्तूबर और नवंबर में राजधानी क्षेत्र में धुंध पैदा होगी, जिससे सांस लेना तक दूभर हो जाएगा।

दिलीप शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण पहले ही खुले में पराली जलाने पर रोक लगा चुका है और इसके लिए भारी जुर्माने का प्रावधान है। हालांकि, पराली जलाने के मूल कारणों पर अब भी ध्यान दिया जाना बाकी है। पहला, हरित क्रांति के दौरान पंजाब और हरियाणा के किसानों ने अपनी पारंपरिक फसलों (मक्का, बाजरा, दालें और तिलहन) को छोड़कर गेहूं-धान की फसल चक्र को अपनाया। इससे देश की खाद्य सुरक्षा तो सुनिश्चित हुई, पर बाद में इसके दुष्परिणाम भी सामने आए। धान के अधिक उत्पादन से पराली का भी उत्पादन बढ़ा। दूसरा, पंजाब और हरियाणा में मानसून की शुरुआत से पहले धान की रोपाई होती थी। चूंकि, धान में पानी की खपत ज्यादा होती है, इसलिए किसान बड़े पैमाने पर भूजल दोहन करके पानी की आवश्यकता पूरी करते थे। नतीजतन भूजल के गिरते स्तर को लेकर चिंता पैदा हुई। इसीलिए, पंजाब उपमृदा जल संरक्षण अधिनियम और हरियाणा उपमृदा जल संरक्षण अधिनियम (अब भूजल अधिनियम) को मार्च, 2009 में अधिसूचित किया गया। इन कानूनों ने 10 जून से पहले धान की बुवाई पर रोक लगा दी, जिससे इसकी कटाई का समय करीब एक महीने बढ़ गया। फसल में देरी के कारण अगली फसल बोने के लिए बहुत कम समय बचता है, ऐसे में किसानों ने पराली को जलाने का विकल्प चुना। उल्लेखनीय है कि 2010 के बाद से धान की पराली जलाने में करीब 21 फीसदी की वृद्धि हुई है, जिससे सर्दियों की शुरुआत में दिल्ली-एनसीआर और उसके आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। तीसरा, लंबी अवधि वाली धान की किस्में भी किसानों के पराली जलाने का एक प्रमुख कारण है। अधिक उपज पाने की उम्मीद में किसान मुख्यतः लंबी अवधि (130 दिन अथवा उससे अधिक दिन) वाली किस्मों का चयन करते हैं, जिससे अगली फसल बोने के लिए बहुत कम समय बचता है। फलस्वरूप खुले में पराली जलाने की घटनाएं बढ़ती हैं। चौथा, न्यूनतम समर्थन मूल्य और अनाज मंडियों जैसी सरकारी योजनाओं का भी पराली जलाने पर प्रभाव पड़ता है। पंजाब में केवल धान, गेहूं, सूरजमुखी और कपास के लिए एमएसपी लागू है, इसलिए दूसरी फसलों की तुलना में किसान इन्हीं फसलों की बुआई करते हैं। चूंकि धान की पराली में सिलिका का स्तर उच्च होता है, जो जानवरों के लिए हानिकारक है, इसलिए इसे चारे के रूप में नहीं बेचा जा सकता है। इसलिए भी किसान इसे जला देते हैं। ऐसे में, नीति निर्माता जहां तक हो सके, इन मूल कारणों पर काबू पाने के लिए रणनीतिक मसौदा तैयार कर सकते हैं। जैसे, पराली को खुले में जलाने के बजाय बायो-पेलेट्स में परिवर्तित किया जा सकता है, जिन्हें सीधे ताप विद्युत संयंत्रों में नियमित रूप से कोयले के साथ जलाया जा सकता है। एनटीपीसी समूह ने 10 फीसदी बायो-पेलेट्स के मिश्रण से बिजली उत्पादन का सफल प्रदर्शन किया है।

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

यह खबर सुन उसके गुरु आये उसका उपचार किया। लोगों ने पूछा तुम हाथी को देखकर भागे क्यों नहीं? उसने कहा गुरूजी ने ही कळ्या कि सब में परमात्मा का वास है वे ही सब कुछ हुये है। हाथी नारायण को देखकर मैं नहीं भागा। गुरू जी ने कहा बेटा हाथी नारायण है सो तो ठीक है पर महावत नारायण ने तो तुम्हें भागने के लिए कहा था उनकी बात पर विश्वास क्यों नहीं किया। शास्त्रों में कहा है - आपोः नारायण-जल नारायण है। किन्तु किसी जल से देवता की पूजा होती है, किसी से बर्तन और कपड़े धोते हैं, किसी से मुंह हाथ धोते हैं, किसी को पीते हैं। सब जल तो ठाकुरजी की सेवा में हीं लगाते शुद्ध जल ही लगाते हैं। इसी प्रकार साधु असाधु भक्त अभक्त सभी के हृदय में नारायण का बास है। किन्तु असाधु अभक्त और दुष्टों से व्यवहार नहीं किया जाता है। उनसे दूर ही रहना चाहिए। ईश्वर पाने के लिए उनसे भक्ति और विश्वास की प्रार्थना करनी चाहिए। विश्वास से बढ़कर कुछ नही है। विश्वास हुआ कि सफलता मिली। भगवान श्री रामचन्द्र जो साक्षात पूर्ण ब्रह्म परमात्मा है उन्हें भी लंका जाने के लिए समुद्र पर पुल बांधना पड़ा किन्तु हनुमानजी सीताजी की खोज के लिए जाते समय राम नाम के विश्वास से ही समुद्र के पार चले गये। **क्रमशः**

ओपिनियन

फिर शुरू टिकट दौड़, महिला और राजनीतिक समाजीकरण

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

महिला आरक्षण बिल यानी 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' आखिरकार पारित हो ही गया। राष्ट्रपति की मुहर के साथ राजनीति में महिलाओं के लिए वह स्थान सुनिश्चित हो गया जो कि पंचायती राज व्यवस्था में 1993 में उन्होंने पाया था। इस अधिनियम के पारित होते ही 'किंतु- परंतु' कि वह लंबी फेहरिस्त भी सामने आ गई, जो सत्ता के गलियारों में पिछले पचास वर्षों से गूंज रही है। सत्तासीन ही क्यों, आमजन के मन में भी गाहे-बगाहे ये प्रश्न उपजते हैं कि क्या महिलाएं राजनीति के दांव-पेच की समझ रखती हैं? क्या महिलाओं में नेतृत्व क्षमता पुरुषों की ही भांति है? क्या महिलाएं जिताऊ उम्मीदवार सिद्ध होती हैं? अभी राजस्थान विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होते ही भाजपा की पहली लिस्ट जारी हो गई। इसमें 41 सदस्यों में सिर्फ 4 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया गया है।

कीर्ति शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

जहां तक प्रश्न महिलाओं के चुनाव जीतने का है तो इस संबंध में पिछले चुनावी नतीजे को देखना होगा। राजस्थान में 2018 के विधानसभा चुनाव में जिन महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया गया था, उनका प्रतिशत 8.24 था और उनमें से जीतने वाली महिलाओं का प्रतिशत 12 रहा, ठीक उसी वर्ष मध्यप्रदेश में 8.62 प्रतिशत महिलाएं चुनाव में खड़ी हुईं और उनमें से 9.15 जीत गईं। उसी कालावधि में छत्तीसगढ़ के चुनाव की बात करें तो वहां 10.40 महिला उम्मीदवारों में से 14.44 महिलाएं चुनाव जीतीं।

अब प्रश्न उठता है कि क्या महिलाएं राजनीति के दांव-पेच की समझ रखती हैं। हमें यह विचारना ज्यादा जरूरी है कि राजनीति रणक्षेत्र बने ही क्यों ? साम- दाम- दंड- भेद की राजनीति किसी भी लोकतंत्रात्मक व्यवस्था के लिए हितकारी नहीं कहीं जा सकती। राजनीति में यह अधिक जरूरी है कि नेतृत्व पद पर आसीन व्यक्ति आम जनता के प्रति संवेदनशील हो, उसकी जरूरत और समस्याओं को समझें। इसमें किंचित भी संदेह नहीं कि जब भी ऐसे उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा है तो बिना किसी दांव-पेच या राजनीतिक पारिवारिक पृष्ठभूमि के भी वे विजयी रहे हैं। शोध बताते हैं कि दांव-पेच की राजनीति से दूर रहकर जब भी आरक्षित सीटों की बदौलत महिलाओं ने नेतृत्व पद प्राप्त किया है, तो उनके क्षेत्रों की तस्वीर बदली है। यह सच है कि आज भी कई स्थानों पर सरपंच- पति, भाई या पिता परोक्ष रूप से घुसपैठ करते दिखाई देते हैं। बावजूद इसके महिला सरपंचों ने अपने क्षेत्रों की स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास की गति को बेहतर किया है। अगर इस संदर्भ में महिला विधायकों की चर्चा की जाए तो 'यूनाइटेड नेशंस यूनिवर्सिटी वर्ल्ड इंस्टीट्यूट फॉर डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स रिसर्च' की रिपोर्ट बताती है कि महिला नेता महिला और परिवार समर्थक नीतियों को लागू करके महिलाओं और बच्चों के मुद्दों पर ज्यादा प्रभावी प्रतिनिधित्व करती हैं। यह रिपोर्ट देश की विधानसभाओं के अध्ययन पर आधारित है। देश में महिला विधायकों ने अपने विधानसभा क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में हर साल 1.8 प्रतिशत से वृद्धि की है जो कि पुरुष विधायकों की तुलना में कहीं अधिक है। यह रिपोर्ट इस प्रश्न का उत्तर है कि क्या महिलाएं नेतृत्व कर सकती हैं? क्या उनमें निर्णय लेने की क्षमता है? साफ है कि जब भी महिलाओं को मौका मिला है, उन्होंने बेहतर काम किया है। अब सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्यों देश की विभिन्न पार्टियां महिला उम्मीदवारों को टिकट देने से झिझकती हैं। इसका उत्तर बहुत ही स्पष्ट है। असल में सभी राजनीतिक दल उन प्रत्याशियों की तलाश में रहते हैं, जिनके जीतने की संभावना ज्यादा से ज्यादा हो। मुश्किल यह है कि महिलाएं राजनीतिक समाजीकरण के अभाव के चलते प्राथमिक स्तर पर ही इससे दूरी बनाकर रखती हैं और अपनी भूमिका मतदान करने तक सीमित रखती हैं। चुनाव में अधिकांश महिला उम्मीदवार वे ही होती हैं जिनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि हो। आम परिवारों से निकलकर सार्वजनिक जीवन में सम्मिलित होने के लिए आत्मबल, मुखरता और निडर होना अपरिहार्य है और ये सारी विशेषताएं राजनीतिक समाजीकरण से ही प्राप्त की जा सकती हैं। महिला उम्मीदवारों पर किए गए शोध बताते हैं कि उन महिलाओं के राजनीति में आने के मार्ग सहज होते हैं जो राजनीतिक पृष्ठभूमि से संबंध रखती हैं। इसका स्पष्ट कारण 'राजनीतिक समाजीकरण' है क्योंकि ऐसी महिलाएं राजनीति को लेकर सहज होती हैं, वे राजनीति को नवीन विषय नहीं मानतीं, लेकिन एक सामान्य परिवार से संबंधित महिला के लिए यह आसान नहीं।

लेखक जोधपुर से है, ये उनके अपने विचार है

हमे भेजें

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 11/10/2023

सूर्योदय : 06:27 **सूर्यास्त :** 17:59 **चन्द्रोदय :** 03:14 **चन्द्रास्त :** 16:26 **शक सम्वत :** 1945 सोभाकृतु **अमान्ता महीना :** भाद्रपद **पूर्णिमांत :** आश्विन **ध्रुर्य राशि :** कन्या **चन्द्र राशि :** सिंह **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** द्वादशी, 17:36 तक **वार :** बुधवार **शक सम्वत :** 1945 शोभकृत **चन्द्रमास आश्विन :** पूर्णिमान्त **विक्रम सम्वत :** 2080 नल **भाद्रपद :** अमान्त **गुजराती सम्वत :** 2079 आनन्द

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : मघा, 08:40 तक
योग : शुभा, 08:32 तक
प्रथम करण : तैतिल, 17:36 तक
द्वितिय करण : गारा, 30:47 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:40 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:05 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:04 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:56 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:56 पी एम से
अमृत काल	04:26 ए एम, अक्टूबर 12 से
निशिता मुहूर्त	11:43 पी एम से

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास : दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : पूर्व
कुंभ चक्र: कण्ठ

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 06:26 - 07:53	उद्वेग	: 17:58 - 19:32
अमृत	: 07:53 - 09:19	शुभ	: 19:32 - 21:05
काल काल वेला	: 09:19 - 10:46	अमृत	: 21:05 - 22:39
शुभ	: 10:46 - 12:12	चर	: 22:39 - 00:12
रोग वार वेला	: 12:12 - 13:39	रोग	: 00:12 - 01:46
उद्वेग	: 13:39 - 15:05	काल	: 01:46 - 03:20
चर	: 15:05 - 16:32	लाभ	: 03:20 - 04:53
लाभ	: 16:32 - 17:58	उद्वेग	: 04:53 - 06:27

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज द्वादशी

आज कौन सा कार्य करें

पूर्णमासी को विवाह, शिल्प, मंगल कार्य, संग्राम, वास्तु कर्म, यज्ञ क्रिया, प्रतिष्ठा आदि कार्य कर सकते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

भाद्रपद, कृष्ण, द्वादशी, 2080 बुधवार, 11 अक्टूबर - 17 अक्टूबर, 2023

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ
व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और आर्थिक लाभ मिलने की संभावना रहेगी। सभी कार्य निर्धारित रूप से योजना के अनुसार पूर्ण होंगे। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और दिन आनंदपूर्वक बीतेगा।

वृषभ ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो
व्यावसायिक गतिविधियों में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन भागदौड़ और कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगा।

मिथुन क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह
व्यापार-धंधे में छोटी-छोटी परेशानियां आ सकती हैं, जिससे मन व्यथित हो सकता है, लेकिन अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी। भागदौड़ की अधिकता रहेगी।

कर्क हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो
कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी, जिससे सभी कार्य सफल होंगे। कारोबार में धनलाभ की स्थिति रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और पूरा दिन सुख-शांतिपूर्वक बीतेगा।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे
व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च बढने से मन चिंतित हो सकता है। परिवार का वातावरण आनंदमय रहेगा।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो
व्यापार-धंधे में लाभ की स्थिति रहेगी। कारोबार विस्तार को लेकर आर्थिक योजना बना सकेंगे। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक रहेगा।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते
व्यावसायिक क्षेत्र में छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। काम का बोझ अधिक रहेगा और पूरा दिन भागदौड़ में बीतेगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे।

वृश्चिक तो,ना,नी, नू,या,यी,यू
कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और आय वृद्धि होगी। व्यवसाय-धंधा अच्छा चलेगा। कार्यस्थल पर मित्रों और सहयोगियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे
व्यावसायिक गतिविधियां सफल रहेंगी और कारोबार से संबंधित कार्यों में धन लाभ के योग बनेंगे। हालांकि, भागदौड़ अधिक करनी पड़ेगी, लेकिन परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा।

मकर भो, जा,जी, खा, खू, गा, गी,
व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और सहकर्मियों के सहयोग से सभी कार्यों में सफलता मिलेगा। कार्यभार की अधिकता से मानसिक और शारीरिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं।

कुंभ गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा
कार्यक्षेत्र में प्रतिकूलताओं का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की भी अधिकता रहेगी और दिन भागदौड़ में बीतेगा। सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा।

मीन दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि
कारोबार में धनलाभ और नौकरी में तरक्की होगी। कार्यों में सफलता से धनलाभ की स्थिति बनेगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

महाराष्ट्र के पाँच एसोसिएशन्स का सम्मेलन

संगठन में शक्ति होती है-बाबूलाल

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर/ नई दिल्ली। जीएसटी, एफडीआई, एफएसएसएआई, एपीएमसी, आवश्यक वस्तु अधिनियम, ऑनलाईन ट्रेड, आयात-निर्यात नीति से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिये महाराष्ट्र की संस्थाएं महाराष्ट्र चेंबर ऑफ कॉमर्स इण्डस्ट्रीज एण्ड एग्रीकल्चर के अध्यक्ष ललीत गांधी फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन ऑफ महाराष्ट्र के अध्यक्ष जितेन्द्र शाह चेंबर ऑफ एसोसिएशन ऑफ महाराष्ट्र इण्डस्ट्रीज एण्ड ट्रेड के चेयरमेन मोहन गुरनानी तथा से ही अध्यक्ष दिपेन अग्रवाल दी ग्रेन, राईस एण्ड ऑइल सीड्स मर्चेन्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष शरदभाई मारू; दी पूना मर्चेन्ट्स चेंबर के अध्यक्ष राजेन्द्र बाठिया; तथा के कन्वीनर रायकुमार नहार ने संयुक्त रूप से महाराष्ट्र राज्य व्यापारी कृती समिति के अन्तर्गत सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि महाराष्ट्र सरकार के कृषि मंत्री अब्दुल सत्तार तथा विशिष्ठ अतिथि राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुनील सिंघी रहे। सम्मेलन की अध्यक्षता भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता ने की।

आयोजक संस्थाओं के साझे वक्तव्य में कहा गया कि राज्य सरकार एपीएमसी कानून समाप्त करें। एलबीटी से संबंधित समस्याओं का तत्काल समाधान किया जायें। एफएसएसएआई में लागू किये गये कानून जो कि व्यापार एवं उद्योग के द्वारा विक्रय किये जाने वाले उत्पाद को हर 6 महीने में सेम्पल टेस्ट के माध्यम से प्रमाणित करवाना होगा; को वापिस लिया जायें। एफएसएसएआई लाईसेन्स को आजीवन किया जायें। जीएसटी में सर्च एवं सर्वे के दौरान एवं पश्चात् ही पंजीकृत डीलर को चोर घोषित करते हुए उपलब्ध माल को जब्त कर दिया जाता है; यह गलत है। धारा 67 का विलोपन किया जायें। इसी तरह डीलर द्वारा रिटर्न फाईल नहीं करने पर डिफॉल्टर कहा जाता है जबकि वह नॉन फाईलर है, को ठीक किया जायें। जीएसटी से संबंधित प्रक्रियाओं को और सरल बनाया जायें।

राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुनील सिंघी ने बताया कि शीघ्र ही राज्य स्तर पर एवं जिला स्तर पर व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किया जायेगा। जीएसटी, एफएसएसएआई, एपीएमसी, ऑनलाइन ट्रेड, आवश्यक वस्तु अधिनियम से संबंधित समस्याओं का निराकरण शीघ्र किया जा सकेगा; क्योंकि केन्द्र सरकार ने आदेश जारी कर संबंधित विभागों के सचिवों को बोर्ड की मीटिंग में आवश्यक रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिये हैं।महाराष्ट्र सरकार के कृषि मंत्री अब्दुल सत्तार ने समस्याओं के समाधान के लिये 15 दिवस में व्यापारी प्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्री के साथ बैठक आयोजित करने का आश्वासन दिया और कहा कि राज्य सरकार से संबंधित सभी समस्याओं का समाधान कर लिया जायेगा। व्यापारी आश्वस्त रहें।

भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन में शक्ति होती है। महाराष्ट्र की बड़ी पाँच एसोसिएशन्स आज एक मंच पर है। महाराष्ट्र के कोने-कोने से 3 हजार के करीब व्यापारी एवं उद्योगपति सम्मेलन में उपस्थित हुए हैं। यह एकता जरूर रंग लायेगी और व्यापारियों की समस्याओं का समाधान चाहे वह राज्य स्तर की हो या केन्द्र सरकार से संबंधित हो, सरकारों को समाधान करना पड़ेगा। गुप्ता ने कहा कि पूर्व में बीयूवीएम ने राष्ट्र के व्यापारियों की एकजुटता को प्रदर्शित करते हुए कई सारी समस्याओं का समाधान केन्द्र सरकार के स्तर पर करवाया है। जीएसटी में चार्टर्ड अकाउण्टेन्ट द्वारा ऑडिट किया जाना, समाप्त करवाया गया, जिससे भारत के जीएसटी के व्यवहारी लाभान्वित हुए। चाहे मामला दालों की स्टॉक सीमा का हो या चाहे खाद्यान्न पर लगाया जाने वाला जीएसटी का हो।

नुक्कड़ नाटक के जरिए दर्शाया महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। गौतम हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर, मेंटल हेल्थ फाऊंडेशन, एमिटी यूनिवर्सिटी एवं रिसर्च एजुकेशन एंड सर्विस ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान से मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जन जागरण हेतु महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित नुक्कड़ नाटक महिला एवं मानसिक स्वास्थ्य का आयोजन पौंडरीक उद्यान, ब्रह्मपुरी में गौतम हॉस्पिटल में ट्रेनिंग हेतु आई एमिटी यूनिवर्सिटी के छात्राओं द्वारा किया गया।

गौतम हॉस्पिटल की वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉक्टर अनीता गौतम ने बताया कि महिला परिवार की धूरी है, परंतु उसके मानसिक स्वास्थ्य के बारे में अभी भी बात नहीं की जाती, एवं कई तरह की भ्रांतियां हमारे समाज में व्याप्त हैं। उन्ही भ्रांतियां को दूर करने हेतु कुछ मानसिक विकारों के बारे में इस नुक्कड़ नाटक में बताया गया है। जैसे डिसोसिएटिव डिसऑर्डर, प्रसव के बाद होने वाले अवसाद या अत्यधिक उत्तेजना, आत्मघाती विचार, घरेलू हिंसा आदि। मानसिक विकार में झाड़ फूंक एवं बाबाओ के पास जाने के बजाय उचित मनो चिकित्सक एवं मनोवैज्ञानिक सलाह से मरीज पूर्ण ठीक होकर समाज के मुख्य धारा में सम्मिलित हो जाता है।

रेड क्रॉस सोसायटी की नवगठित समिति ने राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट की

आपदा ही नहीं सामान्य परिस्थितियों में भी सेवा के लिए निरंतर तत्पर रहें

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र से राजभवन में इण्डियन रेडक्रॉस सोसायटी की नवगठित राज्य शाखा के पदाधिकारियों ने अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला के नेतृत्व में शिष्टाचार मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र ने नव गठित राज्य समिति के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए रेड क्रॉस के जरिए पीड़ित मानवता की सेवा के लिए सभी स्तरों पर प्रभावी कार्य किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस की जिला शाखाएं आपदा के समय ही नहीं सामान्य परिस्थितियों में भी सेवा और सहायता के लिए निरंतर तत्पर रहें। उन्होने टीबी मुक्त भारत, कैंसर, एनीमिया आदि के लिए भी रेड क्रॉस को निरंतर कार्य करने और रक्तदान से जुड़ी गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार और प्रमुख विशेषाधिकारी गोविंद राम जायसवाल भी उपस्थित रहे। इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, राजस्थान के अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला ने रेड क्रॉस की राज्य प्रबंध समिति, कार्यकारी समिति एवं वित्त समिति के गठन एवं इसके बाद रखी गयी प्राथमिकताओ की कार्यवाही विवरण से राज्यपाल मिश्र को अवगत कराया।

आईआईएस यूनिवर्सिटी का 37वां आईएपीटी कन्वेंशन

फिजिक्स एजुकेशन को लेकर जागरूकता जरूरी-प्रो. पांडे

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। आईआईएस (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) व आईएपीटी आरसी-6 की ओर से मानसरोवर स्थित आईआईएस के एजीजे अब्दुल कलाम ऑडिटोरियम में 37वां आईएपीटी(द इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स) कन्वेंशन हुआ। इस मौके पर देश भर से करीब 300 से अधिक भौतिक विज्ञानी समेत समाज विज्ञानी भी शामिल हुए। सम्मेलन में मुख्य अतिथि आईयूएसी नई दिल्ली के डयरेक्टर प्रो.अविनाश चन्द्र पांडे ने कहा कि कन्वेंशन का मकसद स्कूल और कॉलेजों में फिजिक्स एजुकेशन को लेकर जागरूकता बढ़ाना है। इस दौरान ऐप्लिकेशन ऑफ साइंस फोर सोसायटी शीर्षक से सेमिनार भी आयोजित किया गया। प्रो.बीएल सराफ व प्रो.एचएस हंस का सेंटेनरी ईयर सेलिब्रेशन के दौरान अवॉर्ड सेरेमनी भी हुई। सेरेमनी में फिजिक्स में श्रेष्ठ कार्य करने पर 25 टीचर्स व स्टूडेंट्स को पुरस्कृत किया गया। कन्वेंशन में आईआईएस ग्रुप के चेयरमैन डॉ. अशोक गुप्ता, रजिस्ट्रार डॉ. राखी गुप्ता, वाइस चांसलर टीएन माथुर, आईआईएस की प्रिंसिपल माला अग्निहोत्री समेत सीयूएच, महेन्द्रगढ़ हरियाणा के वाइस चांसलर प्रो. टंकेश्वर कुमार और प्रो.संदीप संचेती, प्रो.वाईके विजय और आईएपीटी आरसी-6 प्रो.वाईसी शर्मा भी शामिल रहे।

अमित को इंटरनेशनल एनर्जी ऑफ वर्ड्स मीडिया अवॉर्ड

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। वरिष्ठ पत्रकार अमित बैजनाथ गर्ग को द ग्लोबल एनर्जी एसोसिएशन, रूस की ओर से इंटरनेशनल एनर्जी ऑफ वर्ड्स मीडिया अवॉर्ड के लिए चुना गया है। अमित को यह अवॉर्ड द बेस्ट पीस ऑन एनर्जी ओरिजनेटेड फॉम एब्रॉड कैटेगरी में दिया जाएगा। अमित की प्रविष्टि एनर्जी एफिशिएंसी मेजर्स मस्ट बी मेंडेटरी को इस कैटेगरी में तीसरे स्थान के लिए चुना गया है। अवॉर्ड के लिए 24 देशों से कुल 262 प्रविष्टियां आई थीं, जिनमें आठ कैटेगरी में कुल 48 विजेताओं का चयन किया गया है। सम्मान समारोह 11 अक्टूबर को रूस की राजधानी मॉस्को के सेंट्रल एग्जीबिशन हॉल मानेज में आयोजित होगा। गौरतलब है कि अमित इससे पहले भी कई नेशनल मीडिया फेलोशिप और अवॉर्ड हासिल कर चुके हैं।

11 अक्टूबर को रूस की राजधानी मॉस्को में किया जाएगा सम्मानित

मनीष सक्सेना स्टेट एनिमल वेलफेयर बोर्ड के सदस्य नियुक्त

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान सरकार ने एनिमल वेलफेयर बोर्ड आफ इंडिया के प्रतिनिधि एवं वर्ल्ड संगठन के निदेशक राष्ट्रीय प्राणी मित्र पुरस्कार विजेता एडवोकेट मनीष सक्सेना को राजस्थान स्टेट एनिमल वेलफेयर बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि एडवोकेट मनीष सक्सेना पिछले 25 वर्षों से राज्य में पर्यावरण, वन्यजीव संरक्षण एवं जीव जंतु कल्याण हेतु सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। वर्तमान में सक्सेना वर्ल्ड संगठन के निर्देशक तथा एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया, भारत सरकार के प्रतिनिधि के पद पर राजस्थान राज्य में कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त मनीष सक्सेना भारत सरकार के वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो एवं पशुओं पर परीक्षण के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण के प्रयोजनार्थ समिति को भी अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं।

थर्मल थैरेपी से किया लोगों का ईलाज

जयपुर @ जागरूक जनता। मिनाक्षी गहलोत के नेतृत्व में सिक्सेम मेडिकल प्रा. लि के माध्यम से आमजन स्वास्थ्य अभियान चलाकर लोगों के खान पान में आई कई प्रकार की कमियों वह खाद्य वस्तुओं की होने वाली मिलावट के चलते अनेकों तरह की घातक बिमारियों व दुषित प्रभाव से बचाव के लिए सिक्सेम मेडिकल प्रा लि सेन्टर प्लाट नं 111 महात्मा गांधी नगर में लोगों को काइरोप्रेक्टिक चिकित्सा, मसाज, माक्सि बुस्टिशन, एक्युप्रेशर चिकित्सा, थर्मल थेरेपी, रेडियन्ट इन्फारेड हीट,थेरेपी के माध्यम से करीब 2500 लोगों का निःशुल्क बिना किसी दवाई के लकवा, माइग्रेन, मांसपैशियो के खिंचाव, नजला, खुजली एवं अन्य बीमारियों का थर्मल थेरेपी से इलाज किया। इसके लिए गोविन्द सोगण संस्थापक अध्यक्ष योगदान सेवा संस्थान (रजि.) ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजापार्क में सेलिब्रिटी डिजाइनर्स के आउटफिट्स का फ्लाईरोब स्टोर शुरू

जयपुर @ जागरूक जनता। देश-दुनिया में मशहूर सेलिब्रिटी डिजाइनर्स के आउटफिट्स का फ्लाईरोब स्टोर यहां राजापार्क में शुरू हुआ। उद्घाटन विधायक रफीक खान ने किया। यहां एक ही छत के नीचे पुरुषों और महिलाओं के पहनने की उम्दा डिजाइन्स से लबरेज खूबसूरत लिबासों की विभिन्न रेंज उपलब्ध है। फ्लाईरोब स्टोर की सीईओ आंचल सैनी ने बताया कि जयपुर में यह अपनी तरह का पहला स्टोर है जहां दो हजार रुपए से लेकर 1 लाख रुपए के लिबास रेंट पर उपलब्ध हैं। इस स्टोर का कॉन्सेप्ट भी यही है कि फैशनेबल लोग हर तरह के कीमती परिधानों को खुद की सुविधा के मद्देनजर बदल-बदल कर पहनकर इनका आनंद ले सकते हैं। फ्लाईरोब स्टोर की फ्रेंचाइजी पार्टनर माधवी एस.सिंह ने बताया कि इस स्टोर में डिजाइनर जूलरी समेत सब्यसाची, शांतनु, निखिल, सीमा गुजराल और मारवा कोट्योर समेत कई अन्य नामी डिजाइनर्स के आउटफिट्स उपलब्ध हैं। मसलन महिलाओं के लिए लंहगा, गाउन्स, अनारकली समेत पुरुषों के लिए शेरवानी, सूट्स की विस्तृत रेंज उपलब्ध है। यह सभी रेंटेड हैं। इसके अलावा प्रीवेडिंग फोटो शूट आउटफिट्स भी इस स्टोर पर रखे गए हैं।

स्टूडेंट्स आगमेनेटेड ट्रेनिंग फॉर यूथ एम्पलीफीकेशन कार्यक्रम आयोजित

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय, जयपुर के आईक्यूएसी द्वारा डब्ल्यूएचओ कॉलोब्रेटिंग सेन्टर फॉर इमरजेंसी एंड ट्रॉमा केयर, एम्स, नई दिल्ली और राजस्थान परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग के संयुक्त प्रयास द्वारा स्टूडेंट्स आगमेनेटेड ट्रेनिंग फॉर यूथ एम्पलीफीकेशन कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा, सीपीआर, जीवन रक्षण प्रणाली का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षकों में डॉ. तेज प्रकाश सिन्हा, सह निदेशक, सीसीईटी, साउथ ईस्ट एशिया, रूपा रावत सिंघवी, नर्स कंसलटेंट, डब्ल्यूएचओ, सीसीईटी, नेहा सत्यम, डब्ल्यूएचओ, सीसीईटी, एम्स, नई दिल्ली, अश्विनी बग्गा, सड़क सुरक्षा विशेषज्ञ, निशा बग्गा, सत्यम, साइट कोऑर्डिनेटर, डब्ल्यूएचओ, सीसीईटी, एम्स, नई दिल्ली रहे। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने कहा आम जनता के बीच जीवनरक्षण कौशल और प्रशिक्षण के माध्यम से हम ऐसे समुदाय का निर्माण की प्रक्रिया में तेजी जा सकते है जो आने वाले समय में इस दिशा में उत्कृष्ट बदलाव लाएगा, मृत्युदर में सुधार लाया जा सकता है। कार्यक्रम के प्रथम दिन महाविद्यालय की प्राध्यापिकाओं के साथ ही सुबोध महिला महाविद्यालय, सुबोध पीजी ऑटोनोमस कॉलेज, सेंट विलफ्रेड कॉलेज, परिष्कार कॉलेज एवं वैदिक कन्या कॉलेज के 42 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया।

राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023

सोनिया से मिले सीएम गहलोत, चुनावी तैयारियों को लेकर चर्चा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर/नई दिल्ली। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की महत्वपूर्ण बैठक के एक दिन बाद, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी से उनके आवास पर मुलाकात की। पार्टी सूत्रों के अनुसार, गहलोत सुबह करीब 11 बजे 10 जनपथ पहुंचे और दोनों वरिष्ठ नेताओं ने 40 मिनट की बैठक के दौरान राज्य में पार्टी की चुनावी तैयारियों पर विचार-विमर्श किया। शनिवार रात को राजस्थान सरकार ने घोषणा की कि वह राज्य में जाति आधारित जनगणना कराएगी। यह बैठक चुनाव आयोग द्वारा सोमवार को राजस्थान के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के एक दिन बाद हुई है। राजस्थान की 200 सदस्यीय विधानसभा के लिए 23 नवंबर को मतदान होगा और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी।

जातिगत सर्वे के खिलाफ जनहित याचिका दायर

राज्य सरकार की ओर से जातिगत सर्वे को लेकर जारी आदेश के खिलाफ सोमवार को हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर हो गई। इसमें सर्वे का आदेश रद्द करने का आग्रह किया गया है। याचिका पर जल्द ही सुनवाई होने की संभावना है। अधिवक्ता शिवचरण गुप्ता की ओर से दायर इस याचिका में कहा कि यह सर्वे समानता के खिलाफ है। सर्वे की आड़ में जनगणना करवाई जा रही है, जो केन्द्र सरकार के क्षेत्राधिकार में है। याचिका में सर्वे के आदेश को संविधान की भावना के विपरीत बताते हुए रद्द करने का आग्रह किया गया है। उल्लेखनीय है कि सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग ने बीते सप्ताह जातिगत सर्वे के लिए आदेश जारी किया था। राज्य में बिहार की तर्ज पर जातिगत सर्वे कराया जा रहा है। बिहार का मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस : आयुर्वेद विवि में नुक्कड़ नाटक, वेबिनार आयोजित

मानसिक स्वास्थ्य के लिए करें संवाद : कुलपति प्रजापति

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की प्रेरणा से आयुर्वेद दिवस 2023 में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर स्नातकोत्तर स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग, पी.जी.आई.ए. द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों तथा वेबिनार का आयोजन किया गया। माइंड योर माइंड विषय पर आयोजित वेबिनार में डॉ. रिनजिन कृष्णा (असि. प्रो. तथा मानस रोग विशेषज्ञ, पारुल इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद) द्वारा अतिथि व्याख्यान दिया गया। डॉ. रिनजिन ने योग एवं प्राणायाम की विशेषता बताते हुए कहा कि नित्य 30 मिनिट योग के अभ्यास से इन समस्याओं से बचा जा सकता है। कार्यक्रम कि अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. प्रजापति ने मानसिक स्वास्थ्य का महत्व बताते हुए कहा कि मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने हेतु आवश्यक है कि हम स्वयं में विश्वास रखें तथा अपनी समस्याओं के संबंध में अपने मित्रों तथा परिवारजन से बात करें। विभागाध्यक्ष डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा ने बताया कि हर व्यक्ति अपने जीवन काल में मानसिक समस्या का सामना करता है इसलिए समय रहते उपयुक्त चिकित्सा परामर्श अवश्य लेवें।

इससे पूर्व माननीय कुलपति महोदय की गरिमामय उपस्थिति में स्नातकोत्तर स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के संजीवनी हॉस्पिटल में मानसिक स्वास्थ्य की जानकारी के साथ आमजन, चिकित्सालय में भर्ती रोगियों, नर्सिंग स्टाफ, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं और शैक्षणिक अधिकारीयों में जागरूकता के विषय से संबंधित नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य के परीक्षण हेतु ऑनलाइन गूगल फॉर्म द्वारा प्रश्नावली तथा परामर्श भी उपलब्ध करवाए गए। जिसके द्वारा आमजन ने अपने मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, प्रो. प्रेम प्रकाश व्यास, प्रो. प्रमोद कुमार मिश्रा, प्रो. चंदन सिंह, प्रो. नीलिमा ए. रेड्डी, डॉ. देवेंद्र चाहर, डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा, डॉ. मनोज अदलखा, डॉ. संजय श्रीवास्तव, डॉ. हरीश सिंघल, डॉ. आशा के. पी., डॉ. अंकिता चौधरी तथा आयोजन समिति के सदस्य डॉ. सौरभ अग्रवाल, डॉ. गजेंद्र कुमार दुबे, डॉ. प्रियंका इनानियां, डॉ. हेमंत राजपुरोहित तथा डॉ. अवधेश शांडिल्य, स्नातकोत्तर अध्येता, विभिन्न स्टाफ सदस्य तथा आमजन उपस्थित रहे।

हाथी सवारी महंगी, नई दर 15 से लागू

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अब आमेर महल व हाथी गांव में हाथी की सफारी करना महंगा हो गया है। इसके लिए सैलानियों को 3 से 8 गुना तक दाम चुकाने पड़ेंगे। हाथीगांव में जाना भी दोगुना तक महंगा हो गया है। हाथी मालिकों को राहत देने के लिए बड़ा फैसला लिया गया है लेकिन इससे सैलानियों की जेब कटेगी। नई दरें 15 अक्टूबर से लागू हो जाएंगी।

दरअसल, आचार संहिता लगने से पहले अरण्य भवन में हाथीगांव के उत्थान, विकास और हाथी मालिकों की समस्या को लेकर बैठक हुई। इसमें वन विभाग के अलावा आरटीडीसी, पुरातत्व विभाग समेत कई अन्य विभाग के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में हाथी सवारी शुल्क 1100 से बढ़ाकर 3500 रुपए करने का निर्णय किया। हाथी गांव और आमेर महल दोनों जगह अब एक ही रेट तय की गई है। हाथीगांव में प्रवेश शुल्क बढ़ाने पर भी सहमति बनी है। देशी सैलानी को 50 की बजाय 100 रुपए देने होंगे। डॉक्यूमेंट्री- मूवी की शूटिंग भी शुरू होगी। इसके अलावा हाथीगांव में बने रेस्ट हाउस के संचालन का जिम्मा आरटीडीसी को सौंपने पर भी बात हुई है। इसके लिए दोनों विभागों के बीच एमओयू होगा। साथ ही हाथी कल्याण कोष की वेबसाइट बनाने, हाथीगांव के सौन्दर्यकरण व हैरिटेज लुक देने, हाथियो के थान के आवंटन, बायोगैस प्लांट लगाने, सफाई के पुख्ता इंतजाम, सीसीटीवी कैमरे लगाने, पेयजल के पुख्ता इंतजाम व सैलानियों के लिए मूलभूत सुविधाएं विकसित करने का भी निर्णय लिया गया।

5 लाख का मुआवजा: बैठक में हाथियों की मौत होने पर हाथी कल्याण कोष से हाथी मालिक को अब 5 लाख का मुआवजा देने का निर्णय किया गया है।

सादा और वस्त्र वाली दुर्गा की अष्टभुजी प्रतिमाएं हो रही तैयार

उम्मीदों के रंग से खिलने लगी हैं मां की मूरत

रंग, पीओपी और जूट, मजदूरी में बढ़ोतरी से दिखा महंगाई का असर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। नवरात्र का पर्व इस बार अगले सप्ताह से शुरू होने जा रहा है। इस बार भी मूर्तिकारों की रोजगार से जुड़ी उम्मीद पूरी करेगा। शहर में आधा दर्जन से अधिक मूर्तिकार आर्थिक समृद्धि से जुड़ी उम्मीद को पूरा करने के लिए माता रानी की प्रतिमाएं तैयार करने में जुटे हैं। ये प्रतिमाएं पीओपी, जूट आदि से सांचे में तैयार मां दुर्गा की मूरत में रोजगार की आस पूरी करने को रंग भरे जा रहे हैं। अष्टभुजी मां की प्रतिमा को सार्वजनिक पंडाल में विराजमान करने के लिए तैयार करने का काम होने लगा है। मां की यह प्रतिमाएं 100 रुपए से लेकर साढ़े तीन हजार रुपए तक कीमत में विभिन्न आकार में बिक्री को उपलब्ध हैं। इस बार माता रानी का हर घर आगमन 15 अक्टूबर रविवार से होगा। शारदीय नवरात्र प्रारंभ होते ही धरा पर माता रानी की जय-जयकार सुनाई देगी। ऐसे में नवरात्र से आय की आस में मूर्तिकार भी तैयारी में जुट गए हैं। माता रानी की अष्टभुजी प्रतिमाएं तैयार होने लगी हैं। विद्याधर नगर क्षेत्र में मूर्तिकार प्रेम नरायण प्रजापति अपने तीन अन्य साथियों के साथ पीओपी और जूट के मिश्रण से दुर्गा रानी की यह मूर्तियां तैयार कर रहे हैं। सांचे में ढालकर बनाई गई यह मूर्तियां अब धूप में सुखाई जा रही है। फिर उसके बाद उनमें रंग भर रहे है। शहर में अन्य स्थानों पर दुर्गा रानी की बनाई जा रही मूर्तियों में सात प्रकार के रंग भरे जा रहे हैं। लाल, गुलाबी, हरा, पीला, सफेद, आसमानी और नीले रंग के समायोजन से तैयार की जा रही प्रतिमाओं को अब संवारा जा रहा है। सादा और कपड़े वाली प्रतिमाएं बनाई जा रही है। कई आकार में तैयार हो रही प्रतिमाओं में यह रंग प्रेशर के माध्यम से भरे जा रहे हैं। इस बार माता रानी की प्रतिमाओं पर कुछ महंगाई भी है। मूर्तिकार प्रेम नारायण का कहना है कि जूट, पीओपी और रंगों के महंगाई से मूर्तियों पर कुछ महंगाई भी है। इस साल 10 फीसदी रंगों व पीओपी की कीमत बढ़ गई है।

आकार अनुसार मूल्य

मूर्तिकार एक से छह फीट तक बड़ी मूर्तियां बना रहे हैं। आकार के अनुसार इनका मूल्य रखा गया है। एक फीट की प्रतिमा सौ रुपए, दो फीट की प्रतिमा पांच सौ रुपए, तीन फीट की प्रतिमा आठ सौ रुपए और छह फीट की प्रतिमा साढ़े तीन हजार रुपये में उपलब्ध होगी।

निजी खर्चे से पौधों में देते है पानी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। ये सच है कि हरियाली रहेगी तो इंसान व जीव-जंतु भी जीवित रहेंगे। कोरोना काल के बाद लोग हरियाली को लेकर जागरूक हुए है। इसी के तहत निवारू रोड स्थित सनराइज सिटी बिल्डिंग नंबर 1 से 6 तक के स्थानीय निवासी बिल्डिंग नंबर 1 से 6 तक के आसपास की सफाई व पेड़ पौधे लगाने को जागरूक रहते हैं। यह कहना है स्थानीय निवासी संदीप पारीक का। पारीक ने बताया कि सभी ने मिलकर रविवार का दिन निश्चित कर रखा है। पौधे हमें स्वच्छ जल और स्वस्थ मृदा के साथ-साथ स्वच्छ पर्यावरण भी प्रदान करने का आधार प्रदान करते हैं। आज सभी ने मिलकर 54 पौधे बिल्डिंग के सामने लगाएं। मातृशक्ति व बच्चे भी इसमें पीछे नहीं रहे। मातृशक्ति व बच्चे भी सुबह 6:00 बजे से पौधे लगाने में जुटे हुए थे। हमारी कॉलोनी में पानी की बहुत ही बड़ी समस्या है यहां पर टैंकरों से पानी डाला जाता है। इतनी बड़ी समस्या होते हुए भी फिर भी सभी की मदद से बिल्डिंग नंबर 1 से 6 तक पौधों में पानी के लिए पानी के टैंकर मंगवा के पौधों में डलवाए जाते हैं।

देशभक्ति, संस्कृति और लोकगीतों से ओत प्रोत प्रांत स्तरीय राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता संपन्न

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

केकड़ी। भारत विकास परिषद राजस्थान मध्य प्रांत द्वार आयोजित केकड़ी में राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता उत्साह और उमन्ग के साथ संपन्न हुई। परिषद के अध्यक्ष महेश मंत्री ने बताया कि केकड़ी शहर के अजमेर रोड़ स्थित पटेल आदर्श उ. मा. विद्या निकेतन में देशभक्ति संस्कृति गीतों और राजस्थानी लोक गीतों पर आधारित प्रांत स्तरीय राष्ट्रीय समूह गान, संस्कृत समुह गान एवं लोकगीत प्रतियोगिता 2023 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम शुभारम्भ मां भारती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात महिला सदस्यो द्वारा राष्ट्रगीत गाया गया। सचिव दिनेश वैष्णव ने बताया कि प्रतियोगीता कार्यक्रम में अध्यक्ष उत्तर पश्चिम क्षेत्र के वित्त सचिव राकेश गुप्ता, मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जसवंत सिंह राठौड़ एवं क्षेत्रीय परिवेक्ष भवानी शंकर गोड़, प्रांतीय संयोजक श्याम कुमावत, प्रांतीय संयुक्त महासचिव राजकुमार बंगाड मंचासीन रहे । केकड़ी शाखा के सदस्यों ने मंचासीन अथितियो का तिलक लगा कर व दुपट्टा ओढ़ा कर स्वागत किया गया। शाखा के वरिष्ठ सदस्य महावीर पारिक ने बताया कि प्रांत स्तर की राष्ट्रीय समुह गान प्रतियोगीता में राजस्थान मध्य प्रांत के राजसमंद, भीलवाड़ा, अजमेर, ब्यावर, विजयनगर, केकड़ी, नसीराबाद, नाथद्वारा, किशनगढ़, गंगापुर की शाखाओं से कुल 22 विद्यालयों के 231 विद्यार्थीयो ने इस प्रतियोगीत मे भाग लिया।

प्रबुद्ध विप्र जन विचार गोष्ठी में दिखी सामाजिक समरसता

दो अनूठे वर्ल्ड रिकॉर्ड बने, तीन हजार लोगों ने अशोक चक्र के साथ लगाया अशोक स्तंभ

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मानसरोवर स्थित सुबोध लॉ कॉलेज ऑडिटोरियम गैर राजनीतिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से समाज कल्याण के अभ्युदय के लिए आर्थिक, राजनीतिक, प्रशासनिक, सामाजिक, शैक्षिक, विचार मंथन और मातृ शक्ति और युवाओ के संवर्धन जैसे सभी विषयों पर विमर्श किया गया। इसमें ब्राह्मण समाज के प्रबुद्धजन भारी संख्या में जुटे और गहन चिंतन मनन के बाद कई प्रस्ताव भी पारित किए। गोष्ठी में बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी, निजी क्षेत्र के एम्प्लॉय,डॉक्टर, इंजीनियर, शोध छात्र, व्यवसाई ,उद्यमी, व्यापारी, अधिवक्ता एवं न्यायिक क्षेत्र के कर्मचारीगण, चिकित्सा एवं मेडिकल सर्विसेज, शिक्षा के शिक्षक व्याख्याता प्रोफेसर, समाज सेवी और एनजीओ, सक्रिय ब्लॉगर एवं यूट्यूबर, लेखक चिंतक प्रबंधक शामिल हुए। पलक शुक्ला आर्थिक विशेषज्ञ की ओरी से महिला स्वावलंबन पर बल दिया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ आर ए एस पंकज ओझा ने पारिवारिक एवं सामाजिक विघटन, सनातन धर्म, सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव, युवाओं को संस्कृति संस्कार एवं सामाजिक उत्थान की योजना पर चर्चा की। इसके अलावा पूर्व आईपीएस हरिप्रसाद शर्मा, पूर्व आईएएस मनोज शर्मा, पूर्व कलेक्टर जीपी शुक्ला, पूर्व आईएएस लक्ष्मण गौड, वरिष्ठ आरएएस अधिकारी जी एल शर्मा ने भी अपने विचार रखें। साथ ही, पलक शुक्ला, डॉ. अल्का गौड, डॉ. हेमलता शर्मा, विवेक दशोरा, मोनू जगरिया व संयुक्त कर्मचारी महासंघ के महावीर शर्मा ने समाज हित में अपनी बात रखी। प्रबुद्ध जन विचार गोष्ठी में 3000 से ज्यादा पार्टिसिपेंट द्वारा सीने पर अशोक चक्र के साथ अशोक स्तंभ लगाकर देश के आदर्शों एवं प्रतीक के प्रति सम्मान निष्ठा व्यक्त की एवं एक विश्व रिकॉर्ड बनाया गया ।

दूसरे वर्ल्ड रिकॉर्ड के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित 3000 से अधिक लोगों द्वारा परमपिता ईश्वर से सर्वजन की समृद्धि प्रगति और देश समाज राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए परमपिता से प्रार्थना के रूप में पुष्प हवा में अर्पितकर प्रार्थना कर विश्व रिकॉर्ड बनाया गया, जो विश्व शांति और विश्वकल्याण के लिए अनूठा कदम था।

स्वयं में विश्वास विषय पर सेमिनार आयोजित

छात्र अपनी शक्ति को पहचान खुद को सर्वश्रेष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक साबित करें- प्रो. प्रजापति

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर में आयुर्वेद दिवस - 2023 के उद्घाटन कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार प्रजापति की उपस्थिति में अतिथि व्याख्यान दिया गया। स्नातकोत्तर आयुर्वेद संस्थान के सेमिनार हॉल में "स्वयं में विश्वास" विषय पर प्रो. प्रजापति ने बताया कि यह आज के युग की मांग है जिससे आयुर्वेद के सभी छात्र अपनी शक्ति को पहचान कर खुद को सर्वश्रेष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक साबित किया। इस अवसर पर वाणिज्य संकाय के एसोसिएट प्रो. डॉ. क्षितिज महिषी के अलावा प्रो महेंद्र कुमार शर्मा प्रिंसिपल पीजीआईए, प्रो प्रेम प्रकाश व्यास डीन रिसर्च, प्रो राजेश कुमार शर्मा डीन अकादमिक, प्रो चंदन सिंह, द्रव्यगुण के एचओडी विभाग, प्रो नीलिमा रेड्डी पीटीएसआर विभाग, डॉ. राकेश कुमार शर्मा निदेशक सीएचआरडी, डॉ. विजयपाल त्यागी निदेशक, फार्मेसी, डॉ. रितु कपूर एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख, अगद तंत्र विभाग, डॉ. हरीश कुमार सिंघल एसोसिएट प्रोफेसर और आईटी प्रभारी, डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर और सदस्य सचिव, आयुर्वेद दिवस 2023, डॉ. मनोज अदलखा एसोसिएट प्रोफेसर एवं सदस्य, आयुर्वेद दिवस 2023 समिति, डॉ. रश्मि शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर PTSR, फैकल्टी सदस्य एवं स्नातकोत्तर विद्वान मौजूद थे। आयुर्वेद दिवस 2023 के उद्घाटन समारोह की निरंतरता में कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति ने नव कन्या छात्रावास के पास पौधारोपण किया।

सीएम गहलोत ने दिए संकेत

राजस्थान कांग्रेस उम्मीदवारों की पहली लिस्ट अगले सप्ताह!

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में 23 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने सोमवार को 41 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। इधर, कांग्रेस में भी उम्मीदवारों की पहली लिस्ट को लेकर हलचल तेज हो गई। दूसरी तरफ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को संकेत दिया कि टिकट वितरण को 18 अक्टूबर के आसपास अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। दिल्ली में सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद अशोक गहलोत ने पत्रकारों से कहा कि प्रक्रिया अभी शुरू हुई है। आशा करते हैं कि यह 18 अक्टूबर के आसपास समाप्त हो जाएगी।

गहलोत ने केंद्र और बीजेपी पर साधा निशाना

चुनावी फंडिंग और केंद्रीय एजेंसियों के 'दुरुपयोग' को लेकर भी सीएम गहलोत ने केंद्र सरकार और बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस बार हम जनता से अपील करेंगे कि हमें मौका दें। भाजपा के पास संसाधनों की कोई कमी नहीं है। चुनावी बांड जारी किए गए हैं। बांड एक प्रकार का भ्रष्टाचार है, यह कानूनी भ्रष्टाचार की तरह है। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी को बॉन्ड का 95 फीसदी पैसा मिलता है। लेकिन, अगर कोई उद्योगपति हमसे मिलने भी आता है, तो आयकर विभाग शाम को उसके घर/कार्यालय पहुंच जाता है। लोग डरे हुए हैं, आप सोच सकते हैं कि हम किस माहौल में काम कर रहे हैं। सीएम गहलोत ने कहा कि हमने राजस्थान में कई जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई है और इसके चलते हम सरकार रिपीट करेंगे।

ANCHOR एमपीयूएटी ने विकसित की नई मक्का किस्म

किसानों को भरपूर उत्पादन देगी मक्का की प्रताप संकर-6

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। राजस्थान में मक्का के क्षेत्रफल को देखते हुए महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, दिल्ली ने अखिल भारतीय मक्का अनुसंधान परियोजना प्रारम्भ की है। परियोजना के तहत नई संकर किस्म प्रताप संकर मक्का -6 विकसित की है।

वैज्ञानिकों की माने तो यह किस्म कम समय, कम पानी में पककर तैयार हो जायेगी। जिससे किसानों को ज्यादा आर्थिक लाभ होगा। गौरतलब है कि प्रदेश में 9-10 लाख हैक्टयर क्षेत्र में खरीफ मक्का की बुवाई होती है। इसके अलावा बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर, प्रतापगढ़ आदि जिलों में किसान रबी में भी मक्का का बंपर उत्पादन लेते है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार कर्नाटक ने बताया कि मक्का की नई किस्म का विकास आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित अखिल भारतीय मक्का अनुसंधान परियोजना के तहत किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में मक्का की औसत उत्पादकता 28 क्विंटल प्रति हैक्टयर है। जो दूसरे मक्का उत्पादक राज्यों से काफी कम है। इसके पीछे बड़ा कारण कम समय, कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली किस्मों का अभाव है। उन्होंने बताया कि दक्षिणी राजस्थान के मक्का उत्पादक किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए विश्वविद्यालय अब तक हाईब्रिड़ मक्का की नई किस्म सहित 6 किस्मों का विकास कर चुका है।

22 केन्द्रों पर हुआ परीक्षण

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. अरविंद वर्मा ने बताया कि यह किस्म आईसीएआर द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर अनुमोदित की गई है। जल्द ही भारत सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा। नोटिफिकेशन होने के बाद इस किस्म का बीज किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। गौरतलब है कि इस किस्म का देश के 22 केन्द्रों पर परीक्षण किया हुआ है। पंतनगर में हुई 66वीं वार्षिक समूह बैठक में इस किस्म की पहचान हुई है।

80 से 85 दिन में पककर होगी तैयार

किस्म के जनक डॉ. आरबी दुबे ने बताया कि यह पीले दाने वाली जल्दी पकने (80-85 दिन) वाली संकर किस्म है। जिसकी खरीफ मौसम में औसत उपज 62.05 क्विंटल प्रति हैक्टयर हैं। यह किस्म तना सड़न रोग, सूत्रकृमि रोग और तना छेदक कीट के प्रति रोगरोधी है। साथ ही, मक्का पकने के बाद भी पौधा हरा रहता है जिससे किसानों को अच्छी गुणवत्ता का चारा भी मिलेगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में मक्का 80 फीसदी पैदावार वर्षा आधारित है। इस किस्म की पहचान प्रदेश के साथ-साथ मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और गुजरात के लिए की गई है।

जागरूक खबरें

■ लायंस क्लब गोल्ड द्वारा चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन

निंबाहेड़ा @ जागरूक जनता। महेश नगर स्थित अंजना कोम्प्लेक्स में 10 अक्टूबर मंगलवार को लायंस क्लब गोल्ड एवं गीतांजलि मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क चिकित्सा शिविर रखा गया है। शिविर में मरीजों को निशुल्क परामर्श सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक दिया जायेगा। शिविर संयोजक अभिषेक सोनी ने बताया कि उदयपुर के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. रमेश पटेल, हार्मोन एवं मधुमेह विशेषज्ञ डॉ. राहुल सहलोत, जोड़ एवं गठिया रोग विशेषज्ञ डॉ सत्यम भट्ट शिविर में अपनी सेवाएं देंगे। शिविर प्रभारी डॉ तुर्कीया एवं डा.आर. आर. विश्नोई नें बताया कि केम्प मे ब्लड प्रेशर, शुगर, ई.सी.जी. कि जांचे भी निशुल्क होंगी।

■ जिला कलक्टर ने मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

केकड़ी @ जागरूक जनता। विधानसभा सभा चुनाव 2023 के तहत जिला कलक्टर विश्व मोहन शर्मा द्वारा आदर्श आचार संहिता की अनुपालना तथा विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया। जिला कलक्टर विश्व मोहन शर्मा ने बताया कि आदर्श आचार संहिता की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए जिला प्रशासन सभी सरकारी कार्यालयों से सरकारी योजनाओं के प्रचार संबंधी होर्डिंग, फ्लैक्स, बैनर, पोस्टर आदि सब हटाने। इसी प्रकार सार्वजनिक स्थानों पर लगे होर्डिंग, फ्लेक्स, बैनर, पोस्टर आदि सब सामग्री को 48 घंटे के भीतर हटाना सुनिश्चित करने एवं किसी की निजी संपत्ति से 72 घंटे के भीतर प्रचार सामग्री को हटाने का कार्य कर रहा है।

कोर्ट ने यथा-स्थिति का दिया है आदेश फिर भी निर्माणकर्ता कोर्ट के आदेश की उडा रहा है जमकर धज्जियां

यूआईटी क्षेत्र के तलहटी में अवैध निर्माणकर्ताओं की बौछार बिना किसी सक्षम स्वीकृति के धड़ल्ले से निर्माण कार्य जारी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही @ तुषार पुरोहित। सिरोही जिले के तलहटी में बिना यूआईटी की सक्षम स्वीकृति के अवैध निर्माण कार्यो की मानों बौछार आ गई है। बिना किसी अधिकृत स्वीकृति के धड़ल्ले से दिन रात कार्य हो रहें हैं। परन्तु जिम्मेदार महकमा गहरी नींद में सो रहा है। जो कई सवाल खड़े करता है? जबकि विभागीय जिम्मेदार सिर्फ गरीब लोगों पर अपना रुतबा दिखाते हुये उन पर अवश्य कार्रवाई कर देते हैं। और बड़े बड़े लोगों के आगे मानो एकदम नतमस्तक क्यों हो जाते हैं, जो कई सवाल खड़े कर रहा है। यूआईटी आबू के अधीन तलहटी तिराहे पर होटल अंबिका के पास बिना यूआईटी की स्वीकृति के बहुमंजिला इमारत का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसकी शिकायत होने पर पूर्व में तत्कालीन यूआईटी के सचिव कनिष्क कटारिया के निर्देश पर निर्माण कार्य ध्वस्त किया गया था। फिलहाल पूरा प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। न्यायालय के साफ आदेश है यथास्थिति बनाये रखने के, परन्तु यूआईटी के जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता कहें या मेहरबानी किसके चलते निर्माणकर्ता बेखौफ है। उसे किसी भी विधिक कार्रवाई का कोई डर तक नहीं है। और खुलेआम कोर्ट के आदेश की धज्जियां उड़ाते हुये सरेआम कार्य कर रहा है। जानकारी के अनुसार इसकी शिकायत पूर्व में यूआईटी के अधिकारियों को करने पर भी यूआईटी द्वारा कोई सख्त एक्शन नहीं लिया गया। जिससे जिम्मेदारों को कार्यशैली पर गम्भीर सवाल खड़े होना भी वाजिब है!

कब पेश होती तथ्यात्मक रिपोर्ट ?

यूआईटी आबू के जिम्मेदार अधिकारियों की मौन स्वीकृति कहें या उदासीन कार्यशैली जिस पर गम्भीर प्रश्न चिन्ह लग रहे हैं? जब माननीय न्यायालय ने दोनों पक्षो को यथा स्थिति बनाये रखने का आदेश दिया था, तो फिर निर्माणकर्ता ने स्वयं न्यायालय के आदेश की अवहेलना करते हुये निर्माण कार्य किसकी मेहरबानी से कर रहा है.? जो कई सवाल खड़े कर रहा है। जिसकी वीडियो व फोटो ग्राफी पूर्व में यूआईटी आबू द्वारा की गई है। फिर भी यूआईटी आबू द्वारा अभीतक माननीय न्यायालय में पूरे प्रकरण की तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश क्यो नहीं कि गई ? साथ ही स्टे को निरस्त करवाने का प्रयास क्यों नहीं हुआ यूआईटी द्वारा.? या फिर जब दोनों पक्षों मेसे एक पक्ष ने जब न्यायालय के आदेश की अवहेलना की है तो उस पर यूआईटी आबू द्वारा त्वरित प्रसंज्ञान क्यो नहीं लिया गया? जब निर्माणकर्ता ने स्वयं न्यायालय के आदेश की धज्जियां उड़ाते हुये यथास्थिति बनाये नहीं रखी तो फिर यूआईटी द्वारा विधिक सलाह पर अग्रिम कार्रवाई की पहल क्यो नहीं हुई? यदि यूआईटी आबू के जिम्मेदार प्रतिबद्धता दिखाते , और अवैध निर्माण कार्य को रुकवाने को लेकर गम्भीर होते तो क्षेत्र में अवैध निर्माण कार्यो की बौछार नही आती! दरअसल तलहटी तिराहे पर बिना विभागीय स्वीकृति के जारी निर्माण कार्य की पूरी तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार करके माननीय न्यायालय में जवाब पेश किया गया होता तो न्यायालय द्वारा समय पर मामलें पर अवश्य प्रसंज्ञान लिया जा सकता था! जब कोर्ट ने स्टे दिया था तब की वहां क्या मौका स्थिति थी और फिलहाल उस जगह पर क्या मौका स्थिति है? उस पूरे प्रकरण की वास्तविक तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार करके कोर्ट में पेश करने की सख्त दरकार है। परन्तु यह पहल यूआईटी आबू के जिम्मेदार फिलहाल नही कर पाये अभी तक। ओर नही अभी तक माननीय न्यायालय में उक्त रिट का कोई जवाब पेश किया गया है। जो उनकी भूमिका व कार्यशैली पर गम्भीर सवाल खड़े करता है?

जिम्मेदारों की कार्यशैली सवालों के दायरे में?

यूआईटी आबू के क्षेत्र में बिना स्वीकृति बहुमंजिला इमारतों का निर्माण कैसे हो रहा है? साथ ही जिन निर्माण कार्य पर कोर्ट का स्टे है। उक्त प्रकरण की माननीय न्यायालय में पूर्ण तथ्यात्मक रिपोर्ट समय पर क्यो पेश नहीं कि जा रहीं हैं? जबकि यूआईटी आबू द्वारा नियमानुसार तहलटी तिराहे पर जारी निर्माण कार्य की पूरी तथ्यात्मक रिपोर्ट कोर्ट में कब पेश की जायेगी.? जब बिना यूआईटी की सक्षम स्वीकृति के निर्माण कार्य हो रहा है तो यूआईटी को पूरे प्रकरण पर प्रभावी तरीके से न्यायालय के समक्ष अपना पक्ष रखना चाहिए था पर अभीतक ऐसा नही हुआ इसके पीछे क्या खास वजह है? परन्तु ऐसा नहीं किया गया जो कई सवाल खड़े कर रहा है। वही निर्माण कर्ता भी स्टे की आड़ में सरेआम निर्माण कर रहा है। जबकि न्यायालय का आदेश केवल दोनो पक्षो को यथास्थिति बनाये रखने का दिया गया था। फिर इसकी उक्त न्यायालय के आदेश की पालना करवाने की जवाबदेही किसकी? जिम्मेदारों को सबकुछ पता होने पर भी आँखे बन्द करके बैठने के पीछे क्या राज? यह तो सबसे व्यवस्तम मुख्य चौराहे के पास का मामला है जहां से अक्सर कई विभागीय जिम्मेदार व अन्य अधिकारी भी गुजरा करते हैं। फिर भी यह आलम है तो सोचिए क्षेत्र के क्या हालत होंगे?

निर्माणकर्ताओ को कौन दे रहा है पनाह?

जब ठोस कार्रवाई नही होती तो सवाल उठना वाजिब है। सबसे सोचनीय प्रश्न यह कि तलहटी क्षेत्र में कई निर्माण कार्य बिना किसी सक्षम स्वीकृति के हो रहें हैं। फिर सवाल यह उठता है इन अवैध निर्माणकर्ताओ का कौन क्षेत्र में पनाह दे रहा है? ऐसी जिम्मेदारों के समक्ष क्या मजबूरी है जो अवैध रूप कार्य करने वाले निर्माणकर्ता इतने बेखौफ़ हुये क्षेत्र में? उन्हें किसी भी तरह से कोई विभागीय कार्रवाई का कोई डर तक नही? या फिर यूंह कहें कि रसूखात के आगे जिम्मेदार भी नतमस्तक है? जो बिना स्वीकृति के निर्माण करने वाले निर्माणकर्ता पर पूरी तरह से मेहरबान है? आखिर कठोर कार्रवाई नही करने के पीछे क्या राज छुपे है? यदि नही तो फिर ठोस कार्रवाई क्यो नही होती? इस तरह बिना स्वीकृति के निर्माण होने से वन क्षेत्र व अभ्यारण्य क्षेत्र पर भी कुप्रभाव पड़ रहा है। उसका जिम्मेदार कौन? जब गरीब लोगों के ऊपर प्रभावी कार्रवाई हो सकती है तो फिर इन बड़े रसूखात वाले लोगो पर जिम्मेदार क्यो मेहरबान है क्या इनके लिये देश मे कोई अलग कानूनी व्यवस्था है?

हम अधिवक्ताओं से विधिक सलाह लेकर आगामी कार्रवाई करेंगे। पूर्व में तलहटी तिराहे के एक होटल के पास हो रहें निर्माण कार्य की वीडियो ग्राफी की गई है। पुन: जाकर देकर पूरे मसले की तथ्यात्मक रिपोर्ट बनाई जाएगी, और बिल्कुल आवश्यक कार्रवाई हम करेंगे।
"**पुष्पेंद्र सिंह,** कार्यवाहक तहसीलदार यूआईटी आबू"

जिला कलक्टर ने ली विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

केकड़ी। जिला कलक्टर विश्व मोहन शर्मा ने जिला स्तरीय विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। समीक्षा बैठक का आयोजन कलक्टर कक्ष में किया गया। उन्होंने बताया कि लंबित कार्य क्रियान्विति के लिए अधिकारी आपसी समन्वय के साथ योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर तय समय सीमा में सम्पन्न कराना सुनिश्चित करें। विधानसभा आम चुनाव 2023 के मध्य नजर चुनाव आयोग द्वारा कभी भी आचार संहिता लागू करने की घोषणा की जा सकती है। ऐसे में विभागीय अधिकारियों को कार्य की प्रगति एवं लंबित कार्यों से अवगत कराने को कहा गया। उन्होंने सभी अधिकारियों को चुनाव आयोग के निर्देशों की पालना सुनिश्चित करते हुए आगामी चुनाव संबंधी जिम्मेदारियों को सक्रियता के साथ निर्वहन करने को कहा साथ ही हिदायत दी कि चुनाव संबंधी कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आगामी दिनों में आदर्श आचार संहिता की लागू होते ही आयोग के निर्देशानुसार 24, 48 एवं 72 घंटों के तहत की जाने वाली कार्रवाई को समय सीमा में पालना सुनिश्चित करने को निर्देशित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश धाकड़ , सहित जिला स्तरीय विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पाराशर जिलाध्यक्ष, चौहान महासचिव और यादव पत्रकार संगठन जार के कोषाध्यक्ष मनोनीत

केकड़ी। जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) की केकड़ी जिला इकाई के लिए अजमेर जिला अध्यक्ष अकलेश जैन की अनुशंषा से केकड़ी जिलाध्यक्ष पद पर एड. विजेन्द्र कुमार पाराशर जिला महासचिव पद पर दीपांकुर चौहान एवं कोषाध्यक्ष पद पर डी सी यादव को नियुक्त किया है। कार्यकारिणी में गजेन्द्र कुमार, अशोक सोनी, हर्ष राठी, कन्हैया लाल जांगिड, बालमुकंद वैष्णव, डॉ. ज्ञान चंद जांगिड़ को कार्यकारिणी सदस्य बनाया है। इनके मनोनयन पर जार राजस्थान परिवार की ओर से सभी मनोनीत पदाधिकारी और सदस्यों को शुभकामनाएं व बधाई दी। उक्त मनोनयन पर नवनियुक्त कार्यकारिणी ने प्रदेश अध्यक्ष सुभाष शर्मा, प्रदेश महासचिव भाग सिंह, सचिव राकेश, अजमेर जिलाध्यक्ष अकलेश सहित पूरे कार्यकारिणी राष्ट्रीय कार्यकारिणी, प्रदेश कार्यकारिणी, जिला कार्यकारिणी सभी का आभार व्यक्त किया।

नेशनल शारीरिक दिव्यांग टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप - 2023

जम्मू ने दूसरी बार किया ख़िताब पर कब्ज़ा-विजेता को 5 लाख

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। फील्ड क्लब मैदान पर रविवार को तीसरी राष्ट्रीय दिव्यांग चैंपियनशिप का जम्मू-कश्मीर ने दूसरी बार खिताब अपने नाम करने के साथ समापन हो गया। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि डीआईजी अजय सिंह राठौड़ ने विजेता टीम को ट्रॉफी व 5 लाख का चेक प्रदान किया। उपविजेता मुंबई टीम को 3 लाख का चेक प्रदान किया। उन्होंने कहा कि मैच में जो हौसला और जुनून खिलाड़ियों ने दिखाया, उससे इन खिलाड़ियों को उस मुकाम तक पहुंचने की हमारी उम्मीद जल्दी पूरी होगी, जहां दुनिया में हमारी इंडियन टीम परचम फहरा रही है। उन्होंने कहा कि आज समाज में भावनात्मक मूल्यों के तेजी से होते क्षरण को रोकने की जरूरत है, इस दिशा में नारायण सेवा संस्थान व डीसीसीआई सहित अन्य सामाजिक संस्थाओं को अपने प्रयास तेज करने होंगे। उन्होंने चैंपियनशिप के मैन ऑफ द मैच सीरीज जम्मू कश्मीर के वसीम इकबाल को स्कूटी प्रदान की।

नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक कैलाश 'मानव' ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट कौंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित इस 11 दिवसीय क्रिकेट महाकुंभ में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। डीसीसीआई के सचिव रविकांत चौहान ने चैंपियनशिप का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इसमें देश की 24 टीम ने 67 मैच खेले। इसमें डीसीसीआई और राजस्थान रॉयल्स का भी पूरा सहयोग मिला। हम चाहते हैं कि दिव्यांग भी खेलों में शीर्ष मुकाम तक पहुंचे और अपने परिवार को बेहतर ढंग से चला सके।

संस्थान की ओर से अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, सहसंस्थापिका कमला देवी, निदेशक वंदना व पलक अग्रवाल ने अतिथियों का माल्यार्पण, पगड़ी, उपरना व प्रतीक चिन्ह से अभिनंदन किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान क्रियाविंग कमेटी एसोसिएशन के अध्यक्ष पीयूष कच्छावा, राजस्थान रॉयल्स के बिजनेस ऑफिसर आलोक चित्रे, 'स्वयं' संस्थान दिल्ली के प्रोग्राम मैनेजर भूपेंद्र सिंह उपस्थित थे। डीसीसीआई के संयुक्त सचिव अभय प्रताप सिंह राठौड़ ने बताया कि मैन ऑफ द मैच पुरस्कार ' स्वयं' संस्थान की ओर से दिए गए प्रत्येक खिलाड़ी को 11000 रुपए मिले। उन्होंने अपनी और से मैन ऑफ द सीरीज को स्कूटी प्रदान की। चैंपियनशिप के फाइनल में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में जम्मू में 162 रन बनाए। मुंबई टीम 20 ओवर में 132 बना ही सकी। जम्मू ने अनुशासनात्मक बॉलिंग, बैटिंग और फील्डिंग के चलते यह मुकाबला 35 रन से जीतकर दूसरी बार खिताब पर कब्जा किया। जम्मू के मैन ऑफ द मैच माजिद ने शानदार पारी खेलते हुए 21 बॉल में 37 रन बनाने और साथ ही 4 ओवर में 25 रन खर्च कर 2 विकेट टीम की झोली में डाले।

चैंपियनशिप के बेस्ट बॉलर मुंबई के रविंद्र संते, बेस्ट फील्डर मुंबई के आकाश पाटिल, बेस्ट बैट्समैन मुंबई के रोहन, बेस्ट विकेट कीपर विदर्भ के लोकेश रहे। सेमीफाइनल क्वालीफाई करने वाले महाराष्ट्र और विदर्भ को भी 1-1 लाख रुपए का पुरस्कार दिया गया।

प्रदेश में बाघ संरक्षण के चलते नौ माह में जन्मे 15 शावक

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सवाईमाधोपुर। रणथम्भौर सहित प्रदेश भर में बाघों के कुनबे में लगातार इजाफा हो रहा है। इस बात की पुष्टि वन विभाग के आंकड़े भी कर रहे है। पिछले नौ माह की बात की जाए तो प्रदेश भर में 15 शावकों का जन्म हुआ है। खास बात यह है कि इसमें से आधे से भी अधिक यानि आठ शावकों का जन्म तो अकेले रणथम्भौर में हुआ है। रणथम्भौर में एक जनवरी 2023 से 30 सितम्बर 2023 तक तीन बाघिन मां बन चुकी है और इन बाघिनों ने आठ शावकों को जन्म दिया है। इसके अलावा सरिस्का में दो, रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व बूंदी में दो, धौलपुर अभयारण्य में तीन शावकों का जन्म हुआ है।

यह माना जा रहा कारण

प्रदेश भर में बाघों के कुनबा बढने के पीछे एक मुख्य कारण वन विभाग की ओर से बाघों के संरक्षण की दिशा में किए जा रहे बेहतर प्रयास है। पिछले कुछ सालों में रणथम्भौर, रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व व सरिस्का में ग्रासलैण्ड व प्रेबेस विकसित हो गया है। ऐसे में बाघ बाघिनों को जंगल में पहले की तुलना में बेहतर पर्यावास व सुरक्षा मिल पा रही है। पूर्व में वन विभाग की ओर से जारी की गई एक रिपोर्ट में प्रदेश में सौ से अधिक बाघ बाघिन बताए गए थे। वर्तमान में प्रदेश में सबसे अधिक बाघ बाघिन रणथम्भौर में है। यहां पर इनकी संख्या 81 के आसपास है। इसके अलवा सरिस्का में 29 मुकुंदरा में दो व रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में 4 बाघ बाघिन व शावक है।

कहां कब जन्में शावक

- 16 अप्रेल 2023 को धौलपुर में टी-117 ने तीन शावकों को जन्म दिया।
- 25 मई 2023 को रणथम्भौर की खण्डार रेंज में बाघिन टी-69 ने दो शावकों को जन्म दिया।
- 21 जून 2023 को रणथम्भौर में बाघिन रिद्धी ने तीन शावकों को जन्म दिया।
- 9 जुलाई 2023 को सरिस्का में बाघिन एसटी-19 दो शावकों के साथ कैमरे में कैद हुई थी।
- 16 जुलाई 2023 को रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में बाघिन आरवीटीआर वन दो शावकों के साथ नजर आई।
- 25 जुलाई को बाघिन एरोहैड रणथंभौर में 3 शावकों के साथ दिखी।

बेहतर संरक्षण से प्रदेश भर में बाघों का कुनबा बढ़ रहा है। रणथम्भौर से अन्य टाइगर रिजर्व में बाघ बाघिन की शिफ्टिंग के बाद अन्य टाइगर रिजर्व में भी बाघों की संख्या में इजाफा हो रहा है। यह बाघ संरक्षण की दिशा में किए गए बेहतर प्रयासों का ही परिणाम है।
-संजीव शर्मा, उपवन संरक्षक, रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व, बूंदी

रणथम्भौर में जंगल का वातावरण बाघ अनुकूल है। इस कारण संख्या बढ़ रही है।
-मोहित गुप्ता, उपवन संरक्षक रणथम्भौर बाघ परियोजना सवाईमाधोपुर

घर मंगवाये जागरूक जनता हमें कहें.....

सदस्यता फार्म दिनांक .....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम .....

पता : .....

.....

फोन ..... पिन कोड

राशि (रुपए) ..... बैंक का नाम .....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

● सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. .....रसीद क्रं. .....

दिनांक ..... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
विश्वसनीय हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

ANCHOR लापरवाही

एक घण्टे पूर्व जन्मे मासूम को हॉस्पिटल से जबरन किया रेफर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही। पिण्डवाड़ा शहर के निजी हॉस्पिटल मातृ छाया के डॉक्टर व प्रबन्धक पर प्रसव करवाने के दौरान गम्भीर लापरवाही बरतने से एक प्रसूता की मौत का आरोप लगा है। जानकारी के अनुसार पिण्डवाड़ा थाना क्षेत्र के एक गाँव के महिला की मौत हो गई है। जिसको लेकर समाज के लोगों में जबरदस्त आक्रोश देखा गया। साथी ही समाज के कई लोग पिंडवाड़ा शहर के मातृ छाया हॉस्पिटल के बाहर पहुंचे और धरना दिया। वही दोषियों के विरुद्ध ठोस कानूनी कार्रवाई की मांग भी उठाई। इस दौरान रावल समाज के लोगों ने प्रशासन के समक्ष मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कर पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के विरोध सख्त कानूनी कार्रवाई कर जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग रखी। दरअसल मृतका के पति द्वारा थाने में रिपोर्ट में अस्पताल प्रशासन पर कई गम्भीर आरोप लगाते हुये पिण्डवाड़ा थाने में लिखित रिपोर्ट भी सुपुर्द की।

रिपोर्ट में यह किया जिक्र

मृतक महिला के परिजनों द्वारा पिंडवाड़ा थाने में एक लिखित रिपोर्ट सुपुर्द की जिसमे। उन्होंने प्रसूता के मौत के कारणों का पता करने व शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करने की मांग उठाई। साथ ही रिपोर्ट में डॉक्टर कल्पना डामोर व हॉस्पिटल प्रबन्धक भरत पाल चौधरी पर लापरवाही का गम्भीर आरोप लगाया। उनकी लापरवाही से मेरी पत्नी की मौत हुई, दरअसल यह आरोप मृतक महिला के पति का है। थाने में दी रिपोर्ट अनुसार 5 अक्टूबर 2023 शाम को मेरी पत्नी के प्रसव पीड़ा के दौरान मातृछाया हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। इस दरम्यान प्रसव पीड़ा के दौरान डॉक्टर कल्पना डामोर ने मेरी पत्नी का सिजेरियन ऑपरेशन करके डिलीवरी करवाई थी। लेकिन डॉक्टर की लापरवाही और मातृ छाया हॉस्पिटल प्रबन्धक भरत पाल बैंदा चौधरी के लापरवाही व अनदेखी के कारण मेरी पत्नी की प्रसव के दौरान ही मृत्यु हो गई थी। जिसको लेकर हॉस्पिटल प्रबन्धक और डॉक्टर ने आनंद-फानन में मेरी पत्नी को उदयपुर रेफर किया। लेकिन वहां के चिकित्सक ने मेरी पत्नी को मृत घोषित कर दिया। जिससे मेरा शक यकीन में बदल गया कि मेरी पत्नी की मृत्यु डॉक्टर व प्रबंधक के लापरवाही से हुई है। जबकि मैं मेरी पत्नी को उदयपुर के लिए रेफर करने के लिए बीच रास्ते में था तभी प्रबंधक व डॉक्टर ने अपने कृत्य छुपाने के लिए एक घंटे के भीतर ही नवजात बच्चे को जबरन छुट्टी दे दी और प्रसव संबंधित कागज दस्तावेज भी अपने पास ही रखें। तथा हमें बताया गया कि उदयपुर दस्तावेज चिकित्सक के पास ईमेल से भेज दिए हैं। लेकिन चिकित्सक के पास कोई दस्तावेज नहीं पहुंचे। जिससे स्पष्ट होता है कि मातृ छाया हॉस्पिटल के पास प्रसव के लिये चिकित्सकों के पास कोई संसाधन नहीं है। ऐसे में डॉक्टर और प्रबन्धक की लापरवाही के कारण मेरी पत्नी की मौत हुई है यह आरोप मृतका के पति ने पिण्डवाड़ा थाने में सुपुर्द रिपोर्ट में लगाया है।

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जागरूक WORLD & दुनिया

जयपुर, बुधवार, 11 अक्टूबर-17 अक्टूबर, 2023

08

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23

मुकेश अंबानी सबसे अमीर भारतीय बने

हुरुन रिच लिस्ट में 8.08 लाख करोड़ वेल्थ के साथ टॉप पर, अडाणी दूसरे नंबर पर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी को पीछे छोड़ते हुए रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी सबसे अमीर भारतीय बन गए हैं। मंगलवार को जारी '360 वन वेल्थ हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2023' में अंबानी 8.08 लाख करोड़ रुपए की वेल्थ के साथ टॉप पर हैं। इस लिस्ट में गौतम अडाणी फिसलकर दूसरे नंबर पर आ गए हैं, अभी उनकी वेल्थ 4.74 लाख करोड़ रुपए है। अडाणी की नेटवर्थ में हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के कारण काफी गिरावट आई है। हुरुन इंडिया की भारत के सबसे अमीर व्यक्तियों की यह 12वीं एनुअल रैंकिंग है।

साइरस तीसरे नंबर पर

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के फाउंडर साइरस एस पूनावाला ने 2.78 लाख करोड़ रुपए की वेल्थ के साथ तीसरा स्थान बरकरार रखा है। वहीं HCL के शिव नाडार 2.28 लाख करोड़ की संपत्ति के साथ चौथे और गोपीचंद हिंदुजा 1.76 लाख करोड़ की वेल्थ के साथ 5वें नंबर पर हैं।

एशियन गेम्स के मेडल शूरवीरों को पीएम मोदी ने दिया नया लक्ष्य

पेरिस ओलंपिक के लिए दम लगाकर तैयारी कीजिए-मोदी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2023 में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों और एथलीट्स को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया है। मंगलवार को मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में पीएम मोदी ने मेडल शूरवीरों को बधाई दी और पेरिस ओलंपिक के लिए दम लगाकर तैयारी करने को कहा। पीएम ने कहा कि जो खिलाड़ी एशियन गेम्स में मेडल नहीं जीत पाए, उन्हें निराश नहीं होना है और पेरिस ओलंपिक के लिए दम लगाकर मेहनत करनी है।

पीएम ने ड्रग्स फ्री इंडिया के लिए मांगी एथलीट्स से मदद

पीएम मोदी ने इस दौरान एथलीट्स से 'ड्रग फ्री इंडिया' में सहायता करने की मदद मांगी। पीएम मोदी ने कहा कि देश इस वक्त ड्रग के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रहा है और आप सभी ड्रग्स के दुष्प्रभाव के बारे में बहुत अच्छे से जानते हैं, अनजाने में हुई डोपिंग की वजह से कई खिलाड़ियों के करियर तबाह हुए हैं, मैं आपके जरिए युवाओं को सतर्क करना चाहता हूं कि आप उन्हें इसके दुष्प्रभावों के बारे में बताईए। पीएम मोदी ने कहा कि आप सभी इस अभियान में बहुत बड़ा रोल अदा कर सकते हैं, क्योंकि आप शारीरिक शक्ति के साथ-साथ मानसिक शक्ति के भी धनी हैं।

नारी शक्ति को लेकर बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने एशियन गेम्स में 'नारी शक्ति' को भी सलाम किया। पीएम ने कहा, "मुझे गर्व है कि हमारी 'नारी शक्ति' ने एशियाई खेलों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। यह भारत की बेटियों के सामर्थ्य को बताता है। उन्होंने कहा की 100 पार की मेडल टैली के लिए आपने दिन-रात एक कर दिया। एशियन गेम्स में आप सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन से पूरा देश गौरव का अनुभव कर रहा है।

कोच और ट्रेनर का जताया आभार

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय एथलीट्स के साथ-साथ उनकों तैयार करने कोच और सपोर्ट स्टाफ का भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि मैं देश की ओर से सभी खिलाड़ियों के कोच और ट्रेनर्स को भी धन्यवाद देता हूं। आप सभी ने आने वाली पीढ़ियों के एथलीटों के लिए रास्ता तैयार किया है। एशियाई खेलों में प्रदर्शन से ओलंपिक में हमारे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133

डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

सितंबर में 20.36% बढ़ी गाड़ियों की बिक्री

मारुति सुजुकी ने सबसे ज्यादा 1.39 लाख कारें बेचीं, टू-व्हीलर्स में हीरो मोटोकॉर्प टॉप पर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारत में सितंबर 2023 में गाड़ियों की बिक्री में सालाना आधार पर 20.36% की ग्रोथ देखने को मिली है। पिछले महीने 18 लाख 82 हजार 71 व्हीकल्स बिके हैं। वहीं पिछले साल सितंबर में 17 लाख 70 हजार 181 व्हीकल्स बिके थे। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन ने व्हीकल सेल्स की रिपोर्ट जारी की।

सबसे ज्यादा 48.58% की ग्रोथ थ्री-व्हीलर की सेल्स में देखी गई है। पिछले महीने देश में कुल 1 लाख 2 हजार 426 थ्री-व्हीलर बिके हैं। एक साल पहले इसी महीने में 68,937 थ्री-व्हीलर बिके थे। वहीं, कॉमर्शियल सेगमेंट में सालाना 4.87% की ग्रोथ देखी गई है। पिछले महीने देश में 80,804 कॉमर्शियल व्हीकल बिके। सितंबर 22 में 77,054 व्हीकल बिके थे।

मारुति सुजुकी ने सबसे ज्यादा 1.39 लाख कारें बेचीं

पैसेंजर व्हीकल की बात करें तो मारुति सुजुकी ने सबसे ज्यादा 1.39 लाख कारें बेची हैं। इसके साथ ही मारुति सुजुकी का मार्केट शेयर सालाना आधार पर 39.82% से बढ़कर 42.03% हो गया है। पिछले साल सितंबर में कंपनी ने 1.11 लाख कारें बेची थीं।

त्योहारी सीजन में गाड़ियों की बिक्री बढ़ने की उम्मीद

कार डीलर्स का कहना है कि 14 अक्टूबर को श्राद्ध अवधि खत्म हो रहा है। उसके बाद नवरात्र शुरू होंगे। कुल 42 दिन के त्योहार दौरान हम बिक्री को लेकर होपफुल हैं। हमें उम्मीद है कि यह त्योहारी सीजन ऑटो रिटेल सेक्टर के लिए शानदान होगा।

पुरानी गाड़ियों की भी अच्छी डिमांड

कार मार्ट के डायरेक्टर योगेश पारीक का कहना है कि लोग यूज कार भी खरीदना पसंद कर रहे हैं। पहले नवरात्र को 20 से 25 गाड़ी बिक्री का अनुमान है।

पहाड़ों की सर्दी की मैदानों में जल्द दस्तक

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में दिन और रात में पारा स्थिर रहने पर फिलहाल मौसम शुष्क है लेकिन सुबह शाम में हल्की सर्दी भी महसूस हो रही है। आगामी दिनों में पारे में गिरावट की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। माना जा रहा है कि अगले 24 घंटे में दिल्ली एनसीआर क्षेत्र समेत आस पास के इलाकों में हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। ऐसे में मैदानी इलाकों में गर्मी के तेवर नरम पड़ने और पारे में गिरावट होने की उम्मीद है।

प्रदेश में अधिकांश जिलों में दिन और रात में पारा फिलहाल स्थिर है। हालांकि दिन में झुलसाने वाली गर्मी का असर है तो सुबह शाम में हल्की ठंडक भी महसूस हो रही है। वहीं अगले 24 घंटे में पारे में आंशिक गिरावट होने और तेज गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। फिलहाल मैदानी इलाकों में अब भी दिन में पारा सामान्य से अधिक दर्ज हो रहा है।

फिर अपने ओएसडी के सपोर्ट में उतरे सीएम गहलोत

लोकेश शर्मा का कसूर क्या है-गहलोत

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के साथ ही सियासी भूचाल लाने वाला चर्चित फोन टैपिंग मामला एक बार फिर चर्चा में है। इस मामले को लेकर जहां सीएम ओएसडी लोकेश शर्मा आज 9वीं बार मिले नोटिस के बाद 5वीं बार दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के सामने पूछताछ के लिए पेश हुए, तो वहीं सीएम अशोक गहलोत ने अपने ओएसडी के बचाव में प्रतिक्रिया दी है।

सीएम गहलोत ने फोन टैपिंग प्रकरण पर नई दिल्ली में आज एक ताज़ा बयान दिया। मीडिया से बातचीत में एक सवाल के जवाब में उन्होंने ओएसडी लोकेश शर्मा को प्रकरण में कोई भूमिका नहीं होने के चलते बेकसूर बताया। उन्होंने कहा, ''लोकेश शर्मा का कसूर क्या है? सरकार गिराने के षड्यंत्र में भाजपा शामिल, वॉइस रिकॉर्डिंग में आवाज़ केंद्रीय मंत्री शेखावत की और अनावश्यक रूप से परेशान लोकेश शर्मा को कर रहे हैं।' सीएम गहलोत ने आगे कहा, 'ये लोग खुद षड्यंत्र में शामिल थे, सरकार गिरा नहीं पाए जिसका दर्द-टीस इन्हें है। इनके दिल में आग लगी हुई है। अपने प्रभाव का उपयोग करके झूठे केस लगा रहे हैं। हम इसका मुकाबला करेंगे, हम लोग सच्चाई के साथ हैं और अंतिम विजय सच्चाई की ही होगी।''

गौरतलब है कि ये मामला मार्च 2021 का है जब केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने फोन टैपिंग का आरोप लगाते हुए लोकेश शर्मा के खिलाफ नई दिल्ली में एफआईआर दर्ज करवाई थी।

इधर फिर क्राइम ब्रांच पहुंचे सीएम ओएसडी

प्रदेश के चर्चित फोन टैपिंग मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के नोटिस पर सीएम ओएसडी लोकेश शर्मा एक बार फिर दिल्ली पहुंचे। इधर इसी मामले को लेकर कल बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई होनी है। ऐसे में शर्मा को ठीक एक दिन पहले पूछताछ के लिए बुलाए जाने पर शर्मा ने भी सवाल उठाए हैं।

2024-25 बजट के लिए प्री-बजट मीटिंग्स शुरू

मोदी सरकार 2.0 का आखिरी बजट होगा, 1 फरवरी को पेश होने की उम्मीद

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2024-25 के बजट के लिए प्री-बजट मीटिंग्स शुरू की है। ये मीटिंग्स 14 नवंबर तक चलेंगी। अलग-अलग मंत्रालयों के साथ बैठकों में, वित्त मंत्रालय 2023-24 के संशोधित अनुमान और 2024-25 के बजट अनुमान को अंतिम रूप देगा। साल 2024 की शुरुआत में आम चुनाव होंगे इसलिए ये मोदी सरकार 2.0 का आखिरी बजट होगा। वहीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का छठा बजट होगा। उन्होंने जुलाई 2019 में अपना पहला फुल बजट पेश किया था। 2024-25 का बजट 1 फरवरी 24 को पेश होने की उम्मीद है।

जिस तरह से हमें अपने घर को चलाने के लिए एक बजट की जरूरत होती है, उसी तरह से देश को चलाने के लिए भी बजट की जरूरत पड़ती है। बजट में सालभर के खर्च और कमाई का लेखा-जोखा होता है। इसे हर साल पेश किया जाता है।

बदलाव : ब्रिटिशकालीन रैंकों की समीक्षा

नौसेना में अब पदनामों का होगा शुद्ध जेंडर न्यूट्रल भारतीयकरण

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना विभिन्न रैंकों में महिलाओं को शामिल करने के बाद अब जेंडर न्यूट्रल (लिंग तटस्थ) पदनामों को अपनाएगी। नौसेना ने ब्रिटिश काल से चली आ रही रैंकों की समीक्षा के बाद यह संकेत दिए हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि इसकी घोषणा जल्द की जाएगी। इससे 65 हजार से ज्यादा नाविकों को नई रैंक मिलेगी। नौसेना में अधिकारी रैंक (पीबीओआर) कैडर से नीचे के कर्मियों की सात रैंकों को बदला जाएगा। इन्हें भारतीय नाम दिए जाएंगे। तीन लिंग तटस्थ रैंकों के भी नए नाम होंगे। हालांकि अधिकारियों की रैंक वही रहेगी, जो पहले थी। अधिकारी ने बताया कि पीबीओआर कैडर के लिए रैंकों का भारतीयकरण हमारी सूची में था। कई मौजूदा नाम और शर्तें ब्रिटिशकालीन हैं। इन्हें समावेशी बनाने के लिए लिंग तटस्थ रैंक रखना जरूरी है। नए पदनामों को मंजूरी के लिए रक्षा मंत्रालय को भेजा गया है। मंजूरी जल्द मिलने की उम्मीद है। नामों का भारतीयकरण दो साल पहले तब शुरू हुआ था, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के केवडिया में संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन में सशस्त्र बलों में औपचारिक रीति-रिवाजों बंद कर भारतीय तरीके अपनाने का आह्वान किया था।

बदली ध्वज और डंडे की परंपरा

पिछले एक साल में नौसेना में नया ध्वज, कमांडरों के लिए डंडे (रूल) खत्म करना और अधिकारियों को पारंपरिक भारतीय परिधान की अनुमति देने जैसे बदलाव किए गए हैं। ध्वज से सेंट जॉर्ज के क्रॉस हटाकर छत्रपति शिवाजी की मुहर लगाई गई है।

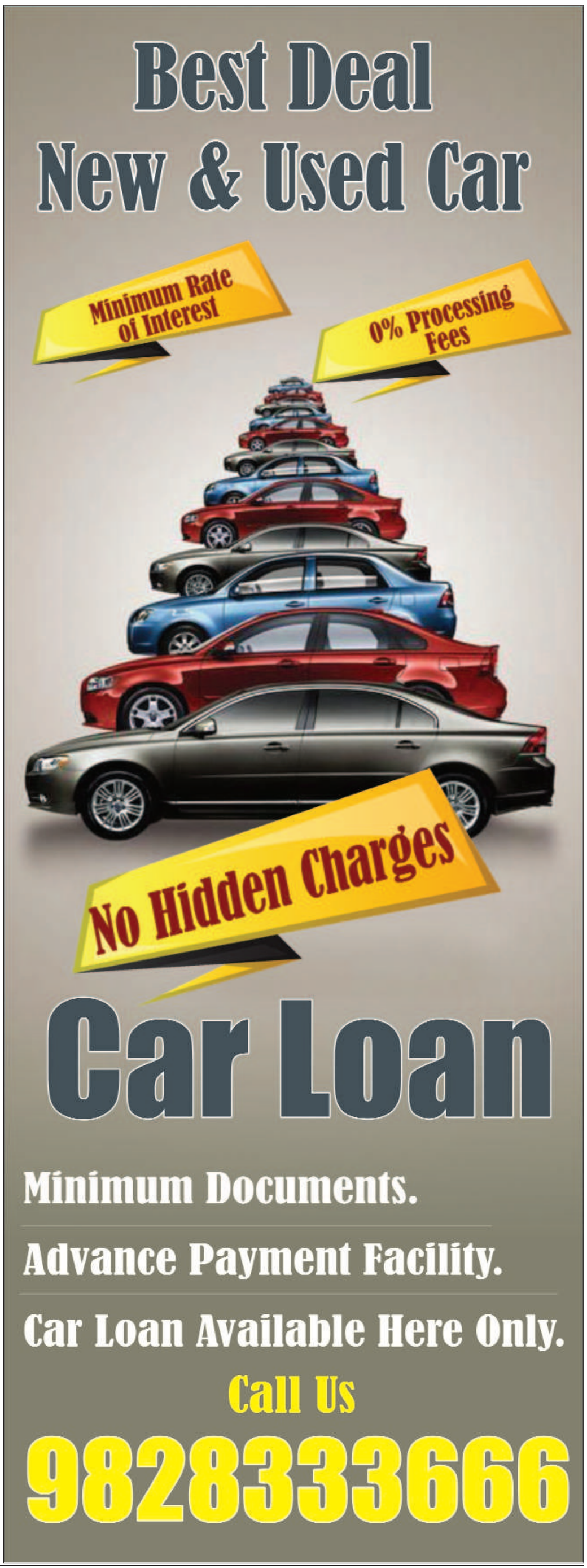

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039